॥ए६०॥श्रीगणेशाय नमः श्रीगुरुभ्यो
नमः॥ कपूर जावे अति उजलो रे॥ ए देशी॥
॥पापथांनक पहिलुं कह्युं रे। हिंसा नां
रे मडेंता॥ मारे ते नर जीव ने रे॥ जे जदें मरण आने
रे तो॥ प्रांणी जिनवांणी धरो चित्त॥ मात पिता दि
अनंतानां रे॥ पामे विजोग मतिमंद॥ दालिद रे×
दो हग डषन विटले रे॥ मिलें न वल्लभ नरवृंद॥१॥
प्रांणी होई विपाके दसगुणा रे। एकवार कियां
कर्म॥ सतसहस्र कोटी गमे रे॥ तीव्र भावना मर्म
मरि रह्या प्रांणी॥ मारि कहतां पिण्ड षजावे रे॥ मा
स्यं किम न विहीया॥ हिंसा भगनी अति बुरी
रे॥ विश्वानगैरनी जीय रे॥४॥ प्रांणी॥ ते हने जी

रिजेऊवारि ।। रीड़थांनथमह्ना ।। नरकज्रति
पितेत्रपह्मवारि ।। जिमसंच्चमखस्तदत्त
रि ।। पा ।। थांण ।। नृपविवेककन्यासमारि ।। परण
वेंजससाद ।। तेदथकीहरेटलेमे ।। दिंसान
मछजायरे ।। दूहा ।। थांण ।। इतिश्रुस्वस:
।। नावनदेनातरे: एदेत्री: ।। बीजंपाप
थांनक मृषावादडरथांन ।। आजदोवांमी
रेनविमानो धर्मस्कृतीतमीजी ।। १ ।। वेरदेवेद
अविश्वास ।। एहथीदोषत्र्यन्यास ।। ज्ञा०य
हीनविजाईज्ञाधिक्रपथ्यसीजी ।। २ ।। रहि
वुंकालिकस्हा ।। परिजनवचनमेत्र्हरि ।। ज ।। १
।। सदवुंरेनविकदत्तुं ।। फुवनयादिकेजी ।।

ज्ञा॥त्रि॥सम धरम त्र्या॥का॥स्या॥वस्क इत्तेस श्का
स॥त्र्याव क्रोतेस्करस्वेघा॥त्योरसात लेजी॥
धा जे होसे सम्प्रभृत चित्त॥ होईजगमांपवि
ज्ञा॥त्र्यापा॥ते ह्नेरेन वि नयस्करा॥चंतरय
रूपीजी॥जेन रि नाबे श्रलिका॥बोलेगवु
वीका॥त्र्या०॥टेकेरे सवि वेकेस्कजस॥ोस्क
भतरेजी॥ ६॥ इति द्वितीयः २॥ निदड
ली वयरण ढोयर ढीः॥ढट्टेरीः॥ चोरिव 2
सन निवारीइं॥पापथी निकहो रिजोक॥
स्कंधोरके॥ इहनरवर्नंनव इखघणा॥ लहे
प्राणी होए दथी प्राति जोरके॥ १॥ चोप॥ चोर
ते पापद लजहोवे॥ चोरीथा होधन नवरे

टके॥ चोरनोकोईधणीनहीं॥ जायेनरके
होजिमनिपटनिटोलके॥ ३॥ चो० ॥ नागुप
नीजवीसस्का॥ तोस्तुंराष्तु होयांपणकस्
जेहके॥ टणकसमाचननीजीहांक्षणदी
फटोकोईनीतेहके॥ ४॥ चो० ॥ हरेक्षनर्हसे
हटटके॥ भीतेवा नाहोसगलेजसथाव
के॥ सकस्कनोहोईनेटणो॥ छततीजोहोमे
सक्षारेदायके॥ ५॥ चो० ॥ तजीचोरपीतावे
रता॥ होयदेवताहोरोदणीयाजेमके॥ ए
तस्रीस्क पुजसपजहे॥ वजीजांणीहोवदें उ
गएलाडेमके॥ ६॥ चो० ॥ इतितृतीय:॥
॥ देवासीजोनोगोनमु:नदेशी:॥ पापयां

लकचोफलबरजियाउरगतिफलत्रबेना।
जगसरिफकोलेिएहमां।।कांदेतेदत्रानंन
।रपापणरुतुलागेरेफरथ।परिणमेत्रपतिकू
राफलकिंपाकनेंसारिखा।वरजेसजानहू
२पाणत्रधरवि
लकविनविसाला।।रामादेवीनराचीडंएवि
षरेलरसा।ला।।३।पापण।उरबल
यहतली।।त्रग।लंगनचलक
रनीतरनी।।जघनसेवनतेंमेरु।।पाण४।।
दाराननगफणवनतणो।
कण्ह।।रंजश्रॉनीमोहरायनी।
ननमेद्ा।५।।पाप०।।व-कता

हवेसेवणअवतार सीताहरैरावणय
था। तांमकोपुरखनारि ॥ ६ ॥ दसानि
रजमांरोलव्या रावणेदिवराअष्टबंन
रांमेंन्याचैंरैअजमणो रोषीजराजयथं
ल ॥ ७ ॥ पापरबंध इंद्रतिघणा सकल
कलंकरजाव्य ॥ बस्साचारिनोचितवुं
कदिवसफलतदिष्याय ॥ ८ ॥ मेरुस
नैंजगिजसवधै देवकरैरैसानिधि ॥ चा
स्त्रवर्यरैचेनरा तेपांमैनवनिधि ॥ ९ ॥
लेवस्दंदर्शनिने टली स्तलीसींत्सनरोय
रूपणार्ईगनैरैतता महिमासीलनीजे ३
य ॥ १० ॥ ब्रह्मचारिजनो एजलं समकितट

छिनिदोन:रोक्तसनीजधरेजिकेतसदे
यस्कजसवणांण॥५४॥व्या०॥इतिचर्ष
॥४॥ स्नमतिसदादिनमेधूरोएदे
शीः॥ परिग्रहममतापरिहरो परिग्रहदो
षनोमहलनासवणीपरिग्रहजेधरिरघणोत
पजपसदीधतिरूला सं०१पं०॥नवपनटा
इरासथी॥मामीकदोयनहोयासं०॥परिग्र
हपदवेत्रजिनवोसझनेदीइंडवसोचास
कं०॥२॥०॥परिग्रहणदयसपणो॥नवमो
ठ्रियनिजंता सं०॥थानपाउजिमचरे॥नार
कोरख्यतंता सं०॥३॥दं०॥ज्ञानध्यानदयगा
यवरे॥समजपभूतपररेता सं०॥ज्ञानेसमश

त्रुलातदी॥ फनिपतिपरिखद ॥स० ४॥
प०॥ परि खदवसे लिंगीया॥ जेई क्रमतरज
सीस॥ स०॥ जिमति जगवतापिरें उत्मत
होयसदीव॥ स०॥ पा॥ प०॥ च पतन जीवपरि
यदी॥ इंधणवी जिम आगि॥ स०॥ ह धादाह
उपसमें॥ जन समजांन वेंराग॥ स०॥ द॥ प०॥ ह
पतोसगरस्कतेनदी॥ गोधूनथीक विकर्णी
स०॥ तिनवंसेवरनी छांनथी॥ कनके नंद
सकणी॥ स०॥ ७॥ प०॥ अंसंवहपरियदन स्या॥
करवीया नइंदनहिंना॥ स०॥ स्करिएकअप
रियदी॥ साधकजसस मकंद॥ स०॥ ८॥ ४
॥इति पंचमी॥ ५॥ कनानो संस दोवी॥

॥=विरतएहस्रम तिध रुग्दरो एदेशी

क्रोधतेक्रोधनीखेधवैं॥क्रोधतेसंयमघातीरे॥
क्रोधलेनरकदुवारएण॥क्रोधतेडरितपक्षप
तीरे॥पापथ्यांतिकबहुपरिहरे॥मनधरीउप
समवोतीरे॥क्रोधनेंजंगतीआगफि॥एकदि
जयवंतीरे॥१॥वावूरबक्रोनीवरणमणेल
योलिआतमाजेणेरे॥क्रोधविवशकंतादोय
खनीसविफलथायेतेएरे॥२॥आ०क्रोलेतेत॥
क्षाअमच्यापणे॥नजनाअन्यनेदावदहरेक्रो
धवशानुसमानसेतालेवसमएवादहरेध
ण०॥३॥क्रोशतजीसाधातनाधर्मनेसमा॥
लावेरे॥अग्निमेंमिम॥विरद्धथी॥जालतेसक
रनारेरे॥४॥पाप०॥नाशेईतेंतेचिरितती॥

तिहृदेतीकलनेदोषे।।सजनसोतेएहवो
जेहवोडर्जनलिहोरे।।हपा०।।कोधंम
कदुबोलणा।।कंटकीया।।कुंटजांपीरिजेम
वंकुलंपणकरीकस्या।।दोषनातरुसंतस्यु
पीरे।।आपा०।।कुरंगमहनवतपकरा।।तंखिव
सणीसमेन्याषणोरे।।उपसमसारवेश्वरव
नीसकजनस्वनरभमाणोरे।।[illegible]।।[illegible]
[illegible]।।६।।[illegible]
[illegible]।।[illegible]।।लंपटपांनककेदेसात
केजिनराजण।।मानमांनवनेदोयडस्तिसरि
ताजण।।श्रावशिषरगिरराजतणश्रागलिने ५
नादेविसकलालोकतिहांकिमतनटवो।।१।।

म
पञ्ञांदतपमदवनीगोचमदेनस्या॥ आजीवि
कामदवंतनमंगातिअंगेकस्या॥ त्का योपश
मश्रकसारे जेएगफएरदै॥ स्यौमदकवौएत्म ।
निर्मदस्करवलेदैं॥ ७॥ अत्रुलावहगदोषमद
जएरआकरो॥ स्रोइतेदनोअतिकोरकरेगु
नीवतषवो॥ स्ररस्तुलषसिंहरा॥ पीलफता
नावलु॥ स्फहनावनतेपावततिवसाधनन
वुं॥ ८॥ मानेवोयकराजएलेकानुंरावणे॥ नरतु
मानदरेद रिअणवीएरावणो॥ स्रलनस्मतम
दस्थीगांमग विकारए॥ मानेंआवेजीवनेनर
कअधिकारए॥ ९॥ विनयश्रुततपशीलत्रिव
गदणेसवें॥ मानेंज्ञानतोंनजकदोईनवेच॥

दो॥ लंपक कै क विचै कतय जनो॥ ॥ बैंरद
कै वांनि ता सन उरव दै पवै॥ ५॥ मांने बाजव
नवत सर एक का जसगर शा॥ जिमदिवसी से
वक दी ईम निसन कस्या॥ सावधांन तजी
मांन जैथांन थव लथरे॥ परमस्क जसरामात॥
सत्राकिं॰ मन करे॥ द्वा॥ कृतिस तम॥ ॥ ३॥
॥ सायक कै रांणी भुतिसांन नो॥ ॥ एदेवी
॥ णपयां निकक स्कन्याव मां॥ सं॰ णीसंत॥
जी॥ बांनि माया मूढा गुण वेत जि॥ कष्ट॥
करै छत च्यादरे॥ सं॰ माया नीचति रूढ़ा॥ भु
णवं॰॥ शननान मासउ परा सीया॥ सं॰ सीप ६
जी इंट सत्र ल॥ सं॰ गनंत्र नं ताता पां मसे

स्कं०॥जेथिमायाप्रनाफ०२॥केसलोचमली
धरा॥स्क०॥त्रमिसप्याव्रतच्यारा॥फे०॥स्क
रसर्वविसाध्नो॥स्क०॥उच्चारमायात्पागा॥गु०॥
नातयानवचनआकानु॥स्क०॥गीपनमायावं
ता॥गु०॥जेदकरेचमतीपरे॥स्क०॥तेनदीदित
करवंता॥गु०॥४॥कस्कमवषेधारिसेवनें॥स्क०॥दि
वरसोसरिञा॥गु०॥जपरितसवीजोरसो॥
स्क०॥क्तकवपणिसगुणड्डा॥गु०॥पोदंनीएक
निंदाकरे॥स्क०॥वीजोधरेगुणराग॥फे०॥पदलो
नेलवतुस्तरकहे॥स्क०॥वीजानेकेवलीसा॥गु०॥
६॥चिधिनिबंधनश्रितपदिसो॥स्क०॥एकांनेन्नग
वंता॥गु०॥करणिउंनीःकपटीद्यवुं॥स्कं०॥एप्राण

वेंतता॥ध्रु०॥मायाथीत्रस्नगाटको॥जं०॥जि
मन्दिलीमणतिस्करंग॥कं०॥स्करजसविलास
स्वरीलिदहो॥सं०॥लक्षणनप्रादेहं॥ध्रु०॥
जा॥ इति [illegible] ढाल॥ जीरे मारे [illegible]
॥जीरेमांरे लोटतेंदोषच्प्रयोन्न॥पापथा
लकंवकंकहलं॥जीरेजी॥जी०॥एहेसर्वविना
स्वरहल॥ स्वयाकिणनेसम्रवलेस्कंजी॥१॥
जी०॥ सणीइंवजको न्हातं चक्रवर्तिदरिनी
कथाजी॥जी०॥पांम्याकहुकविपाक॥पीवतर
कैजलोयथा॥जी०॥२॥जी०॥निर्इनतेसतवा
द॥जी०॥लहसलदेसी लषलान॥सहसलसे ७
पितलोलिईजी॥तोएईसरकीमिंइस्जी॥जी०

॥श्री॰ हरन पक्षि

टर नमह कै जी॥ धाजी॥ लक्ष पणजी

जी॥ध

॥ तिविण

इक्

मा

॥ तैनाथेषमाजी॥

पतिजेकरीजी॥जी॥स्कजस

॥ इतिनवल:॥८॥ ढाल १२ कृष्णलेस्यानी ॥
ढढेस्ती:॥ पापकंथ्यानिकदसमंकेह्लूंसारे
॥कुलेनपामीतेदनीतागयोरागेबसदहि
दस्वंनयोशादेनावेकरीश्ववंनयोश्रागोवे
सहीवेवनलजायो॥विषीयालिलाषतेमची
ताजायो॥जेहनाबोसुंडजीयपंवरे॥जेद
नोकीधेसकलपपूंजरे॥२॥जेहसदाग
मवलिहोइजास्थेरेतिश्ववसनतावीष
रेतास्थेरा॥चरणधरमनटपरोंलदिदेक्रे
तेस्नवलेंरागोवेकेरेहा॥बीजातीसवि
रागेवाद्यारे॥एकादसरागमणोतमाहारे॥ ८
रागेपन्यातेदिणश्रतारे॥नरकनिरो

दलदाउकजूताथै।४।रामदहरणतपजपश्र
तनाण्यारे।तिदथीजेण नरकवचाण्यारे।ति
दनीकोईनहैशतिकारोरे।अमियदोईति
वंतिदास्योवारोरे।५।तपरजबुटातरुणं
तांणीरे।कंचनकोमिश्राषाढ तक्षंणीरे
नदीवेणपिणरागेनमियारे।श्रुतधरविण
विस्पावतिपमियारे।६।बावीसजिनपण
रदीघरवासीरे।वरता शरवरांग अभ्यासे
रे।वजूबंधपणिजसवचनहटेरे।नदतंत्रय
।७।देराजरातनअगनिबुद्द

जीदोइम

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] २
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]

रि॰या॥कन्हता:दे बेते नवमांदि करीया॥

सिवलदेतेद्दथीवदिन्कां॥लाणम॥
तेगणरंतन·
तांकेन्लाणक्त्रापयुणीनेंव
नमादितेदनीकीरतिजागी॥लाणध॥हाम
श्रीजेंजिन्हांगणलदीजें॥निर्गणकुपरे
समवितरदीज ३॥लाण॥नव
रुजसं
॥ लाण॥प॥इतिंकादशमः॥१२॥किस
केचेलेकिसके॥एंटेम्री:।
तारकंपापथांन ७

न॥ साजनसांनलो॥ एजगमांहेरीग॥ कं लं
द क्राचक्रामलोग॥ दंतकुलदजेघरमां
हेहोय॥ लछीनिदसेंतिहांनविजोय॥ सा०
॥५॥ स्रंसंदलिद्रनरकेसार॥ नकरेऋपिकांइ
गमारा॥ सा०॥ दंतकलद्रइमजेहनेंथायें॥
तेटंप्रतितिस्कषूकणगाय॥ सा०॥६॥ कांटेरथ 1
न्हेवाि॥ लोलेश्वाछेरानि॥ सा०॥ जांणीने
सोनधरेकणवंत॥ तोस्कषपामेश्रवलच्र
नंत॥ सा०॥७॥ नित्यंकलदणकोपदलएसील
॥ नंमणसीलविवटशीला॥ सा०॥ चिंतेउता
पधरेजेएम॥ संयमकरेनिरर्थकतेम॥ सा० १०
ध॥ क लदकरीनेखमावेजेह॥ लघुकसरश्च

राधकृदे[illegible]ररसणाकलदसमावेलेधनधन
जण्लमसारकुरुसामान्ता॥णासणानोदेन
निरदयचित्ताकजद
साजनजारव्यानजरं
स्क
सेण[illegible]॥६॥इतिछादस १२।
नीवल्लाल्पागोचलीःएदेग्गीः॥पाठ

अतेतोरोाधनरतेनरजेजिनमरे
बतेदेषेरेअन्यास्व्यानजे॥क

नत्ता णो ते ॥ अष्टन ०॥ जे ऊकुकम लव लेशे बली सु
णी ॥ मतसरी ऋषि न्यारम्यानी हो अरे ॥ पातिक
लागे आणा की अस से ॥ तौ कि धर्म विशेष रे
॥ ४ ॥ मि थ्या मत नी रे दस्ता मि झा जि को अ
न्यारम्यानंमा ने दोरे ॥ गुण अवगुण लोरे जो
करे पा लटी ॥ ते पांमिव जारवे दोरे ॥ ४ ॥ ५ ॥ पर
ने दोष अबता दीजी ॥ पीजी ॥ तो जिन वां
णी रे ॥ उप समरस स्फंरे चित्त मांनी जी ॥ को
जीइं सजस कमाणी रे ॥ ५ ॥ ५ ॥ इति स
दशमः ॥ १४ ॥ पापस्थानक होके चौदमं
आ करला दिशुन पणा क हो के अम न बैएव
शुक्र झान पार मी के शुन क कत झा ते द

थन्त्र होके पिशुन लवे पवे॥१॥ वक्र
करि रहे पिशु
ता होके होइ रहे तेउ परे इस्येछो चोहोके
स्वजलो॥ किम होइ स्व॰ क्रमे होके
सामलो॥२॥ ति लहति लइ रहे गहोके नेह
लगो॥ बिहपण हैहोके रखलको॥
मनि सनेहा होके निरदय रिदय थी॥ पे
सुननी कालाहोके नवि
ञीकरतां होके चामीगुण तणा॥ स्वके रुके दे
के
के वसंत ते पिशुन तणा॥ निरम
के दीइ ते कलंक घणा॥४॥

नेहोंकेपिसुननेंइषिइ॥तिमतेणेसदुं
होकोचकूवनच्पीइं॥नस्पिमांजपेके
दर्पणहोयनलो॥कजससवाइहोके
सनलनसकऊजनलो॥ ५॥ इतिवर्द्धा
॥ ६॥ प्रथमगीत त्पातपेनकेजी॥
॥ढेसी॥ जिहोंनरपतिकोईककारके
॥अरतितिहांपिणहोव॥पयानकते
नरकंजी॥तिणेएकजजोय॥सगण
नरसमकोचितमकार॥चितत॥अरतिरति
पांचसकंजी॥ जनेपवरिचिंता॥नेजरछ
समाधिमजी॥सं॥योरहेलेमित॥२संयम १२
नपारद्ऊफेनहीजी॥पामीअरतिआ

॥ तोहोई सिद्धकल्याणनी जी॥ ना वि जाई
जाइ लाग॥ स० ७॥ परव सिद्धर तिं रति का
री जी॥ न्हतां रति होइ जेहथी॥ तस विवेक ज्ञान वे
नही जी॥ होई नडपनो वेदथी॥ स० ८॥ नरति अ
रति वे वस्तु थी जी॥ ते उपजे मनमां हि॥ संग ज
वर्जन सकत हुवे जी॥ स्त्रकादि कन्हे कोई॥
स० ९॥ पाम मत कल्पित रति अरती छे जी॥ नही
सत्यपर जाय॥ नदीतीरे वीवस्तुमां जी॥ कि
मते सवि मिट जायह॥ स० १०॥ जे हर्ष रति अरति
न विगत जी॥ सरखे देखे समांन॥ तेपांमें जससं
पदा जी॥ वाधि जगित सन्मान॥ ११॥ स० ॥ इति
पंचम सद्धाय॥ ॥ २५॥ देवसी सझाय नी ढाल॥ १॥

॥ ४६ देसो ॥ संदरणपस्प्रातिकतजोसो
लमु ॥ परनिंदाअसरालदो ॥ स० ॥ निंदक
जेमकरवरी होइ ॥ तेचोथोवेमालदो ॥ स०
॥ पा० ॥ जेहनेनिंदानोढालबें ॥ तपकिरि
यातसफोकदो ॥ स० ॥ देवकिधितेंउपजे
॥ फलरोकारोकदो ॥ स० ॥ ३ ॥ पा० ॥ कोधअ
जीरणतपतणो ॥ ज्ञानतणोअदेंकारदो ॥ स०
० ॥ परनिंदाकिरियातणो ॥ वमनअजीर्ण
आहारदो ॥ स० ॥ ३ पा० ॥ निंदानोजेलवा
रबें ॥ सातकरमनिविवनिंददो ॥ स० ॥ नाम
धरीजेनिंदाकरो ॥ तेहमहामतिमंददो ॥ स० १३
० ॥ ५ ॥ पा० ॥ रूपनदोईनकधारीइंदासबेंसा

निजर रागद्वेष ॥ स्कं० ५ तेह माहि कांई निदान
दिनो लेवी जुं ध्रेग द्वेष ॥ स्क० ५ ॥ पापा० १७ कर्मी
ल नइ मकड़ीं कोप द्वेष जे ह नाप द्वेष ॥ स्कं०
तेह रत्नने निदान तणो दश दिकालिकरा
णि द्वेष ॥ स्क० ५ ॥ पा० ५ दोष निजर छी निंदा
द्वेष ॥ गुण निजरि द्वेष रागद्वेष ॥ स्कं० ॥ जगा
स विखाले मातल मठो ॥ सर्व गुण दीसे
तेणा द्वेष ॥ स्क० ५ ॥ १७ ॥ पा० ॥ निज मुख वखानक
करी लंगे ॥ निंदा कपर मूल थोड द्वेष ॥ स्कं० ॥
तेह थी मा पर गुण य द्वेष ॥ संततें विरला कोई
ई द्वेष ॥ स्कं० ५ ॥ ५ ॥ पा० ॥ पर परिवाद व्यसन त
जो ॥ मं करी निज उत्कर्ष द्वेष ॥ स्कं० ॥ पापक

रमझम म विटलौं यां मेस्क तजसदर्श
दीत्सक० ॥ यो ॥ दाद० ॥ झूलि जी तिन्हः
॥ १ ॥ कालि सविंदे चर्ननि दिने चो न्या ॥ ७
देही ॥ सतरमफपाप केतांम ॥ परिहर
योसदा ॥ गुणधांम ॥ जिमवाछि जगमांमा
लना देना ल ॥ मायामोस नकीजें ॥ र ॥ ए
तो विहुने वलिखुरधस्युं ॥ एतो वाखुच्य
वलकधसह ॥ एतो वाछ कंबालकारुदेला
० ॥ ४ ॥ मा० ॥ जेतो माइने मस्सा वाई ॥ थई
इमोटा करे टगाई ॥ तसदेहिगाई पवराई
दोला० ५ ॥ मा० ॥ केग लां परेपगला न २४
र ता ॥ थोम्हुं झो ने जांणि मरता ॥ जग छे

घेघालीकिरतादोलाण॥४॥माण॥जेकप
टीहोलेकुडु॥तसलागेपापव्रष्टहुं॥मंमित
मांदोइस्मरवंचुहुद्रोलाना॥५॥माण॥देनी
हुंकुडुंमीठुं॥पलिनारिवरितेदीहुं॥पणिते
तोवेडरगतिवीहुदो॥लाण॥६॥माण॥जैंअगो
दिइंअपटेसा॥जनरंजननेधरेवेरा॥तेस्ने १
फुडेसंकलकलेशदोलाण॥७॥माण॥तेणेंइ २
जोमारगनाखो॥वेरानदिइंदजेंराखो॥स्व
रनाथीइसमस्कभवाथोदोलाण॥८॥माण॥
फुडुबोलीजदरजेटलरहुं॥कपटीनेवेषक
रहु॥तेजमवानेस्फकारहुंदो॥९॥माण॥पके
जांणतोपणदंभे॥मायामोसनेअधिक॥

अवे तो आसमकितदृष्टि मनमें ने होला॰
र॥ मा॰॥ श्रुतमर्यादा तिरधारी॥ रवाणाय १
ओसन्निश्चारि॥ शुद्धनाषकनी वलीहारी॥
होला॰॥ १३॥ मा॰॥ जेमायाइंकुतुनबोलें॥ ज
मत हीतसतो तोलें॥ तेराजेसकजस अनोलदो
ला॰॥ १४॥ मा॰ इति सत्दव्हाल्य॥ १७॥
अत्थ अविध्निदिशा प्रष्टिवीः॥ अढारमे जे पाप
तुमो निक्तते मिथ्यात्वपरिहरजो॥ सतरथी
मणिकतें नारी ढोर्श्वि लोश्जी धरीइंजी॥
कष्टकरो पुरिदमो अष्याधमश्वेयेष नष
रुचोजी॥ परण मिथ्यात्वनते तेकवु तेएतेह १९
मांत्रमें तिरचोजी॥ १॥ करिष्या करतो लज

तोपरिजनउपसदतोमनरीकेजी॥ त्रोध
नजीपेपरनीसेनातिमभिष्यात्वदृष्टीनसी
केजी॥वीरसेनस्वरसेनदृष्टांतेसमकितं
नीनिर्युक्तिजी॥जोईनेनजीपरिमनचाचे
एदअरथतरयुक्तिजी॥४॥धर्मेत्रधर्मत्र
धर्मेधर्मदसनामगाउसमाजी॥उन्मार्गमा
रगनीसन्नासाधुत्रसाधुसंलगा॥त्रसा
धुमांसानीमतिजीवेंत्रजीवत्रजीयजि
यवेदोजीफरिंत्रमुक्तत्रमुक्तिमुक्तदसन्ना
एदशनेदोजी॥६॥
नियह॥त्रन्नानियुद्धिकसऊसरिवाजी॥
त्रनिनिवेश

जी४

नीप रिष जी संघते जिनवचननी संका ।२५
अ वंछिअ नाकोगो जी एपणिपाव ने
दर्वे विश्रत्त जोणि समक् लोगो जी
लोकलोकोत्तरने देषनविधदेवलौ
कलपर जी संगातितिहालोकिक त्रिण
आदर करतां प्रथम निग र्जी लोकोत्त
रदेवमाने नियाणाफल जे लक्षण हीन
जी परोलित्नहत्वलोकने कोजे मने
फलपद लीन जी इम एकवीस मिथ्या
त्व तजे जे जे चरणाफल केरा जी संज
तणापेरजेन राषेमत्सरडोइथने राजी ।२६
ते समकित धारी अचचाद तेहनी जगाव

लीहारीजी॥५॥आसन्नसमकितने आराधे॥तेद
नीकरोमनदोरीजी॥६॥मिथ्यात्वतेजगि
परमरोगछे॥वलीमहाअंधकारीजी॥पर
मसत्रुनेपरमशस्त्रतेपरमनरकसंचारोजी॥
परमदोहगनेपरमदलिद्रतेपरमसंकटते
कहीइंजी॥परमकंतारदुर्भिक्षपरमतेतेब
न्धिसकलदहिइंजी॥७॥जेमिथ्यात्वलवले
शनविरूधेमारगनावेजी॥तेसमकि
तसुरतरुफलचाखेरहेवलीअणिडुं
आखेजी॥मोटाईसीदोइंफणणपाखेहण
प्रकसमकितपावेजी॥श्रीनयविजयवि
बुधपयसेवकवाचकजस

॥६॥ इतिश्री ग्रादस पद धांनी कस्यां
श्मायसंपूर्णम् ॥ १६ ॥ श्रीमांणचदजी
प्रसादात् ॥ श्रीरस्तो ॥ श्री कृ [illegible]
॥ जो तिडा जानानी नो एकरी थे
रे: एहेली: ॥ जगलगुरुदरसणवदी
लोधीजेरे ॥ भीतरोमकफरो मांनीनेली
जेरे ॥ श्रीकरणी: ॥ एकमकासीदेसवे
जोरे ॥ श्रुपुस्पेननरीदकलवंदोरे ॥ छो
णारसीनंगरिनरिदो ॥ १ ॥ जव ॥ एक
पाकटेसवीरजेरे ॥ ग्रगवटदेसगाजे
रे ॥ भीरवाडेमहिमाराजै ॥ २ ॥ जं ॥ ज्ञन
नीअवरसातनचासरै ॥ जगजीवनज १७

ननातासंरे॥४॥ ऊकपंचमे आरेवादलो॥
३॥ज०॥इमसतरे भेदस्नात्ररोरे॥करी॥
येनीजतीमंजगावेरे॥वलीदीजीये
दानसंपरे॥४॥ज०॥गोरीमील
मंगलगावेरे॥सहु संघमीलीनेजा
वेरे॥५॥ऊकदर्शन श्रीकीर्तपावेरे॥५
॥ज०॥ओसवंसमेंअधिकउमंगेरे॥
वलीदापणामोचस्कचंगेरे॥वादरम॥
लदोनअभंगे॥ज०॥६॥जोरावरमल
जगावेरे॥[illegible]सिंघ आगेवाणी थावे
रे॥ऊकदर्शन अधिको पावे॥ज०॥७॥
॥लाभकुशलजिणंदयकी

ज०४ साहेजिनेसरीसरे। वलीसंजम
अमृतरसपीआ॥ ज०॥८॥ श्रीतप
गछतेजमताचारे। श्रीदेवेंद्रसूरीस
हराचारे। सीसस्वकलतणमनभाया॥
संवत् ज०॥९॥ छवारेरेगाढवेआयारे॥ संवत्
आसादछितीयसंबदायारे॥ ऊजस
रुनीदरसनपाया॥ ज०॥१०॥ गजदो
टेक्षधरवारे। मोरवाडेदरसनपा
यारे। परतावदिजेयगुणगाया॥ ज०
॥११॥ इतिस्तवन॥ एकवीदेरु
मजदेवनमवंता। अजबेगालोहेसमो १८
सरणनमवंता॥ तिहांनवडिराजेदास

रखालेइंडा॥ जेहनागुणगादेसुरनर
नारीनावृंद॥१॥ बारेपरखदेबीहूडइं
जाणीराय॥ नवकमलरचेतीहांठक
जीठवतापाय॥ देवछंदेनीवाजेऊस
महसीविरचंत॥ एहवाजिनचोवीसेतु
जोइकमनचित्त॥२॥ जिनजीयनन्
मीवांणीनोविस्तार॥ एकाग्ररथवक्
सेरवनागणधरसार॥ तेह्मागमस्कणा
तांबेटीजेगतच्यार॥ जिनवचनप्रमांणे
लहीयेनवनोपार॥३॥ जक्षगोमुखगी
लवेजननीनक्तिकरंत॥ तिहांदेवी
चक्केसरीविघनकोमनहरंत॥ श्रीतपगछ

प्र

नायकविजयसेनसुरराय तेहके
तेशुचकरीकेनदासयुगनाद ॥ ८ ॥
[illegible]

१७

[illegible]के[illegible]जोरावरजसृग
[illegible]दावली का[illegible]द्रि[illegible]तीः
[illegible]वि[illegible]नि[illegible] [illegible]
[illegible]डीनर्म [illegible]वीं[illegible]नेज्ञर
[illegible] [illegible]जनी: नैवाचार्नी[illegible]जवमिर्दै[illegible]
राजाज्ञज० [illegible]जनि[illegible]रमनापीवि[illegible]
नीमे० [illegible]जवि[illegible]फदे[illegible]
[illegible] [illegible]पंचमिनरणन्दैजिनवरकदे[illegible]
[illegible]०[illegible]जीश्रीसि[illegible]
[illegible]जी [illegible]दलवि[illegible]
ऊलवंसावृत्ती [illegible]गी: [illegible]कोलपगंथि
यणञवि[illegible] [illegible]री [illegible]नवि[illegible]
कंस्कुलजाचेमिजी [illegible] [illegible]कितीवि
णतजेनितजवली [illegible]
कपारदामाग[illegible]ली[illegible]ल पंनारिलीर्दे

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥सकलस्वरूपा [illegible]
णपासनकिक्रलो [illegible]
जेणानणवति [illegible] बीन
राचार्मधुति। [illegible]
सं नचस्तनत्ता [illegible] दर
अत्मका नत्ता [illegible] नार्यरी धा
नरकांणोरपाप [illegible] णपास
वं नर्णाद्नि [illegible] नवसंदवाकलऊं
दपचक्तो [illegible] नानानीम्यप
[illegible] क्रिवर्दिवा
[illegible] वकनणीयऊ
[illegible]
[illegible] पासरंजन
[illegible]
[illegible]

गाजीयो दालिद्रहरैआसहरैपासरंजगदी
सरे वरणअमोदकुसीलजपेंकरोमनजगीस
र करीआसिंधुजंगीसर ७ इतिमंत्रगर्भितपा
र्श्वनाथजीरोछंदं।। सवईया: गोतमनाम
जनातजपो जिमरिद्धिसहृवमिलैंअकतेरी
आलजजालटहैंनिसिवासरआसफलैदि
नकीजुंजनेरी: जोजनमिष्टमिलेनलीजाति
जुंनाभिजपारिरलेंजुंजनेरी मनवंछितवे
नथमंदछनेरी ८ वेत्सवंदन: सकलकुशल
वल्लीपुष्करावर्तमेघो दुरिततिमिरभानुक
ल्पवृक्षोपमान: भवजलनिधिपोत: सर्वसं
पत्तिहेतु: सभवतुसततंव: श्रेयसेपार्श्वना
थः।। श्रीमभगवतेश्रीपार्श्वनाथाय ह्रींध २१
×लबधिनिधानजसानंदीये×

रणेंद्रपद्मावतीसहिताय अट्टेमट्टेक्षुद्रविघ
ट्टेक्षुद्रान्स्तंभयस्वाहा॥ सर्वविघ्ननिवारक॥
॥श्रीगुरुभ्योनमः॥ अथद्वादशभावनालिख्यते
॥दूहा॥ पासजिणेसरपायनमि सद्गुरुनेंआधा
र भवियणजननेंहितभणि भणस्युंभावनाबा॥
र १ प्रथमअनित्य १ असरणपणुं २ एहसंसा
रविचार ३ एकलपण ४ अनंतत्वतिम ५ अशु
चि ६ आश्रव ७ संवर ८ निर्जरणभा
वनां लोकसरूप १० सुबोध ११ दुर्लभभाव
जिनधरम १२ इणिपरेंकरजोअह २ रसक्कं
पिरसभावीउ लोहथकिजइंहेम जिउकरीए
भावनसुद्धज्ञाय परमरूपजहेंतेम ३ भावि
वनांदानादिकं जाणिंअलुणंअन्न भावरस

नतिस्याश्रकी तूटेकर्मनिदांन ५ ढालएना
वनरीसखी पहेलीभावनांइणिपरेंभाविइ
जी अनित्यपणाइंसंसार मातत्रणिजेहवी
जलबिंदुजी इंद्रधनुषअनुहार ढ सदि
जसंवेगीसुंदरआतमाजी धरिइंजिनधर्म
सूरंग चंचलचपलानीपरेंचिंतवेरे उत्त
मसविकंसंग ७ स० इंद्रजालस्वहणेंश्रन
अश्रनस्यूंरे आंतोसनेरोस तिमजमन
नाअथिरव्यापारथेरे संपदिजेमनसोस ८
म स० गरजेंहर्षरमानेहजूं एजोबनरंगरो
ज धनसंपदपिणदिसेंकारमीरे जेहवा
जलकल्लोल ९ स० मंजसरिषेमांगिनि २२

षिरे रांमरह्योनंनवास इणेसंसारिएसुषसंप
दारे जिमसंध्यारागविलास १०सं० सुंदरएल
हुंसोनाकारमीरे विणसतांनहिवार देवतणें
चवनेप्रतिक्षकीधेरे चक्रिसनतकुमार ११सं०
स्वरजराक्रमत्रदणेमनकीधेरे श्रीकिरतिधररा
य करकंडूप्रतिबुध्योदेषिनेंरे वृषभजराक्र
लकाय १२ किहांलगेंध्रुं आंधवलहरेरहेंरे
जलपंपोटाजीय आउंस्तेमअथिरमणुंअ
हरे गर्वमकरसोकोय १३सं० अतुलिबल
सुरवरजिस्पारे चक्रीहरिबलजीतिं नरह्यो
एणिजुगकोईथिरथईरे सुरनरस्वपतिको
इ १४ सं० इस्यां पलरबिजेंआकसं अं

लिवलखूंएह वलतांमांयेसंवलं लेइसके
तोतिह ११ लेईअचितगलसूंएहीसगचुसि
रणोआवि सरणनहिजिणवयणविण ति
णहवेअसरणजाति १६ ढाल २ रागरामगिरि
।रांमनेविहरिवीरदेरी: छिजिअसरणन्।
वनां नावेरिदयभजारिरे यमीविनांपस्तवज
तां पापेनलहिसपाररे जाईसनरगइआररे
तिहांवकव्वणआसाररे १७ जालसुरंगारि।
लिया हूंकिनेमोहजंजालरे मिथ्यामतिस
विटालिरे मायाआलपंपालरे १८ला० मात
पितासुतकांमनि नाईत्रयणिसहायरे मे
मेंकरतारेअजपरे करमग्रहोजिवजायरे २२

:तिहांआमिकोनविथाइरे उषनजिरंनेदिवा
दियरे १८ लाप नंदनीसोचनठूंगरी छाषर
नाईसीकाजरे चक्रिसंन्दूणतिजलदिमां हाचे
पटखंभराजरे न्हीचरमजिहाजरे देवगय
सविनाजरे लोनिंगईतसलाजरे २०लाप दी
पायनदद्दिहारिका बलवंतगोविंदरांमरे र
बिनसक्यारिराजवी मातपितासुतरामरे ति
हांराषिजिननामरे सरणकिउंनिमिसांमिरे व्रत
लिईअनिरांमरे पोहताशिवपुरगांमरे ११
ए नित्यमित्रसमदेहनि सयणांपर्वसणायरे
जिनवरधरमकगारस्यें
रे राष्यीनंत्रिउपायरे

सीतेहनाअणयरे २२ला० जन्मजरामरणां
दिका वयरिजागवेकेंजिरे अरिहंतसरण
सुं आदरी नवजमनांदषफेजिरे त्रिवसुं
दरीघरतेजिरे नेहनवलरसरेजिरे सिंचि
स्तअतितरतपिनरे २३ ला० हता थावचां
सुतश्रहस्रो जोरदेविजमभाजि संयमस
रणंसंग्रह्युं धणकणकांचणगांजि २४ एणे
सरणेसकषीयाजत्रा श्रीअनाथिअणगार
सरणरह्यांचिणजिवनां शणिपरिसलेस
सार २५ ला० राग सारंगदेशी: त्रिजी
तावनांडणिपरें नाजिरे एहससूपसंसा २४
र कारमवसिजितनाचेनत्रनवरंगसूरे एविवि

धश्कार २६ चेतनचेतिइरे लद्दिमांनवअवत
र नवनाटिकथिजीउजनगारे तोबंमेविषय
विकाररे २७ चेप कबद्दिन्द्र जलजलणनिलत
रूमांनमीरे कबद्दीनरकनिवास बेरंदीतेरं
दीवउरेंदीमीदरदोरे कबद्दिदेवविनोद २प
चेप कीनपतंगदरिमातंगपणंनन्तूंरे कबदि
हसरपसियाल भासणन्दरीवेलवलिकत
हावतो होवेंश्रस्वंमाल २ए चेपचोरातील
मचोरहटेरमतीरंगसूंरे
रूलूपनेंइभसोनागिंदरे
चेपउपद्देचसकानें
वपिणनेम

त्याँरि कहुंपदवरपाईण ३रवि० जाईव
द्विजनारीतंतपणुंतजेरे मातपिता हैरं
वत्र तेद्विजनारिवैरिनेवलिचालहोरे सं
साहदिसुत २३वि० सुवलाबुंजिनताण्या
वरिन्सुणीयणंरे समरुयारवडेरसजाण
कर्मविवरवसिंहकिमीद्धविमंबनारे मल्ल
मुगतिजिणताण २२वि० इत्या : इमत
वरजेमेहइम्सघ्या तेजाणेजगनाथ नय
नंजणतावविहरण तमिल्पीन्मविदमसा
थ ३३ तिणकारणहुंएकली बेगिरागम
जयास सविसंसारिजीवस्तुं थरिचित्तमा २५
कवदास २५ ढालथरागगोडि: चोपेना

ननेविश्रणमनथूंरी वेदनाउंएवंगदिरे अ
णोतिमजाईसण्मबवली ईहांवंलिसवि
नाक्तिरे ॥२६॥ ममकरेमरतारेमममाश्रादरे
श्राणिचित्तविवेकीरे स्वारथिश्रासजनस
जमिल्या सुषडषसहेसेएकेकोरे ॥२७॥ मण्ड
मवदिवणसजआवीमिल्या हिपतमनि
जाइनासिरे दवबलतोदेषिदहदिसह
लें जिमपंषितसूरासिरे ॥२८॥ घटप्रलन
वतिहिवोदरयणधणि चोसहमदसजस
नारीरे वेदनिबोधिवल्पातिएकला हारथ
जेमजूयारीरे ॥२९॥ त्रिभुवनकंटककि
सदम्ररावतो करतोगरबघुमानोरे

लिबिधरिणाः लिकेपूल्मा रावपलरियरला
नीरे धनतनमलरहेपरेछि बिस्यामतां झेत
नाःलनीलीनीरे थेरबमिललनानापरक
नी सोलिवुलीपरल्लेलीरे धरपट नितरब
हलबलिविदेपछे लिकंपिणबृटबृटघ्य
नीरे बललला रेलिहरितरक नी हन
क्षलिरि तनिरलीरे धराम हरः नवसाय
र बजलपजल जानणनरणतरग ननता
नल्ललिलिरहि चेतनस्वर मातन धरपरे
नीक्षी नानलि लीननाम्यबंतमारंनं हरि
नरीबंधूललरन सिननलहिजलवंत
धध ललधूलनलिदार॥ कलरछेछेपति २६

कजलीरिएदेशी ॥ पांचमीभावनाभावीइरे जि
नअनित्यविचार आपसवारथएसकरे मिलि
उकुटंबपरिवार ४५ संवेगीसुंदरिबुझमाकम
गमार तादरीकोनहिडएणसंसार अंकेदनोनहि
निरधार ४६ सं० पंथसरेपंथिमिल्यारे किजे
किणसुखेम रातिवसिप्रहसविचलेरे मेहन
वाहेंकेम ४७ सं० जिमतिरथमेलोमिलेरे ज
णवणजणरीचाह केतोरोकेफायदोरे लेई
लेईनिजघरमाह ४८ सं० ओंकारजनेद
नासरेरे तातेदाखेतेह सूरिकंतानिपरेरे व
टकदेखाड़ेछेह ४९ सं० भुवणिअंगजमारच
रे उंमकरेजणोह नरतबाउबलणुकिओ

रे जेजोनिजनानेद ५०सं० श्रीणिकछत्रेंबांधिउरे
लिखुंवेदविराज उपदिसेबऊतातुनेरे दे
हसुतनाकाज ५१सं० इणिनावनसिंवपख
हेरे श्रीमरुदेविमाय वीरसिसकेवलल्हुं
रे श्रीगौतमगणराय ५२ सं० द्दहा: मोदव
स्तनमंत्रवि इंद्रियमिथ्याकलाल प्रमादम
दिरापाएके बांध्योजिवनृपाल ५३ करमज
जिरजनिकरी सुरुतमालसविलिय अष्ट
नदिरसरुरगंधमय तनुगीतादरीदीय ५४
जलद्दरागासिंधुः। जिनावनमनिधरो जि
जेअष्टवितरीएकाचारे सीमाधारेमांदेका २७
ताविनस्हूरे ५५ देषीजरगंधउरणी जंमरे

मवकोनिमालेरे नविजालेरे तिलेउदगलनि
ततनुनक्योए ५८ नगपालपरिनिवरहै क
फमलमूत्रनंनदीरे तिमघारीरे नवद्वादश
नरनारनारि ५९ मांसरुधिरमेदारसे श्री
स्वामीजानरचीनिंरे स्वंरीकेरेसपदेवीर
आंपणुंए ६० कामिनाजातिकचोघली मे
दराग्यनीवेदीरे ए वेदीरे चर्मजादीघणरो
गनीए ६१ गर्भवासनवमासलो कामिपरि
मलमांवसीउ वंरसिचीरे कंथमांथेडमर
होरे ६२ कनककमरीलीजननरी तेदेख्य
उर्गंधकूख्यारे लेमकाण्यारे मलीमित्रक्षि
करमस्यूरे ६३ दसा: ननधीन

विषवल्लजंबाल पायकञ्चपंणीनसूं
आश्रवद्देहननाक ।निरमलपछसद्जेह
गति तांणवितांणरसाल ।सुवगतीकरेपंक
जल ह्येयेचगुरमरल २ बलउरागथोरणी
।आश्रवनावनास्मातमीरि समकोसुय
समसीय कोधादिकनेंकरीरे पांमीजि
तदीपीरे २सुणिरआंणीया परिहरिय
आवपांचरे दसमेअंगेकह्या जेहनाछे
प्रपंचोरे २सु० कसींजेहिंसाकरेरे तेलहे
कटुकविपाक परिहोस्येंगेचासनीरे जो
योअंगविपाकोरे २सु० मिथ्यावंचणेव २८
सुतत्योरे तंमित्तपरधनलेई हणअबुम्हेरे

समरि इंगादिक्सुरकिंकरी ॥ नमुं० [illegible]
परिग्रहेरे अप्रदत्तनयउजात से[illegible]
नजेरे एकांवेंद्रगतिहुसोरे ५मुं० [illegible]
नावाजलेरे स्तुतिनीरसनगम्य [illegible]
आश्रवेरे पाविविंफलनगरीरे [illegible]
जगेएकेंद्रीयारे पापस्थानक[illegible]
वेदीक्रियारे एपंचमिआपविनारीरे [illegible]
टुक्रियास्तानिकपाठांरे [illegible]
ग कदत्तांद्रियतु कपमकांरे [illegible]
गीरे ॥ नमुं० [illegible]
कविपयग्रवंत ॥

थावसेरे नरगनिगोदेंजात सरवधरम्तुतहा
रिनेरे अवरांनीसीवातीरे १०सुं० हहा स्म
नमानसमांनसकरी ध्यानअमृतरसरेलि न
वदलश्रीनवकारपच करिकमलासनकेलि
१पातकपंकपषालिनें करीसंबरनीपाल प
रमदंसेंदवीनजें बोधिसकलजंजाल:२
ढाल:ढीला। आदमीसंवरनावनाजी धरि
चितस्थंएककतार सुमतिगुपतिसुधीधरेजी आ
अआपविचार १सत्कृणारेशांतिसुधाफलचा
षि विरसविषयरसकूलने जी अटतीमन
अलीराषि २स०लानअलानेंसुषंजरवेजी २९
जीवतमनसमान मित्रशत्रुसमनावना

जी मान अनें अपमान ३ स० छांडिं परिग्रह बंधि
सुं जीरे लेसुं संयम भार श्रावक चिंते इस्युं कदा
जीरे करिस संथारो सार ४ स० साधु आसंसा इ
म करे जीरे सुजन णीस पुरुदास एकलमल अ
तिभार दीजीरे करिस मेले रखनरवास ५ स० स
र्वजीव हित चिंतवे जीरे वयर म करि जगमि
त्र सत्य वयण मुख भाखीइं जीरे परिहरि पर
नीविल ६ स० काम कंटक छेदण णी जीरे
धरिइं शील सन्नाह नवविध परिग्रह मुंक
तां जीरे लहिइं सुख अथाह ७ स० देव मणुअ
उपसर्ग सु जीरे निश्चल होइ महीर जाव
परिसह जीपिइं जीरे जिम जीत्या श्री वीर

सं० इति अष्टमभावना:॥ दूहा: ढल्वढारीढव
अंतधरि गुणनिधावसुकमाल मेतारिजमद
नरुमि सुकोसलसुकमाल १ इमअनेकमुनि
वरतस्या उपसमसंवरभाव करिनकर्मनवि
निर्जस्या तेणेनिर्जरभाव २ ढालएरागके
दारीगी नी:॥ नवमीनिर्जराभावना चितचेतो
रे आदरवतपववषांण बुचरावितचेतोरे:
पापआलोवेगुरुकने चि० धरईविनयसु
जांण १ चि० वेयावचबहुविधकरो चि०
दुर्बलबालगिलांण चि० आचारजवाचकत
णी चि० शिष्यसाधर्मिकजांण चि०२ तपसी ३०
कुलगणसंघनो चि० थिवीरप्रवर्तिकहव चि०

वेत्पनगतिबक्रनिर्जरा चि॰ एदसमेआगपसि
रु त्रचि॰ उत्तयटंकआवश्यकी चि॰ सुंदरव
लीसिभ्राय चि॰ पीसद्सामायककरी चि॰नि
तश्रुतेनियमसत्रादि चि॰४ कर्मस्मरणकनक
वली चि॰ सिद्धनीकिलीयद्दोय चि॰ श्रीगुरु
रयणसंवच्छरो चि॰ साधुपडिमद्दशदोय चि
५ श्रुतआराधनसावच्छो चि॰ जोगवहोकप्प्य
त चि॰ शुक्लध्यानस्प्रोधरो चि॰ श्रीआंबि
लबध्मान चि॰८ चउदसदसअणगारमें चि॰
धनिश्धन्नोअणगार चि॰ सेमुपिंदीरसरांसी
उ चि॰ खंधकमेघकुमार चि॰७ इतिः दृत्तः
मनिदासतननाकिकरि ध्यांनान

वि कर्मकटकनेदनत्णी गेनाजानत्रजावि
१ मेदराव माहीकरी जंवोचदीअवत्तोय:
त्रिनोवतमंदिरमंनणी जिमपरमानंदवीय:
२ जलरण ग्रनमिली:॥ वहामीलोकसरुपरे
भोवुगमनावोइं निश्चलीगुरुउपदेशथीए १
उर्द्धतरूपञ्याकारे पगपजाधरी करदे
वंकटिरथवीरेर २ झलिआकारेलोकरे वुद
गलरुरीर जिमकाजलनीकुपनीए ३ धमोध
र्मकाररे देशअदेशए जीवअनंतेरजेए
४ सातराजदेसृतरे उर्ववितिचमिती अले
जोकसातसाधिकूए ५ चउदराजत्रसनाडिरे
त्रसजीवन्त्रय एकराजिदीरघविस्तरेए ६ ३२

उर्द्धसुरालअसाररे निरयभुवणनीचे नाभि
नरतिरीदीसुराए ७ दीक्षभुज्जसंपेरे पजु
पसान्नली राघरीतितिविसमुजीवेए ८
सुकुलपुण्याले लाछजोयणलदी सिद्धशि
लासिरउजहीए ९ उत्ताधकमसयतीभरे तेत्र
सासिउं सिद्धजोयणानेछेदहिएं १० अजरअम
रनिकलंकरे नाणदंसणमय तेजोवमनगद
गदेए ११ इति० दूहाः वारअनंतीफरसी
ड क्विवाटकन्याय नांणविनानविसनरे
लोकअमणनदवाय १ रत्नत्रयविऊ
मं डलहाजांणिदयाल नोधिरयणकाजेंद
उर आगमसंतिसंनालि २ जल११

ती॥ः दशदिशितेदीपिलोरे लाखोमणंजमा
रोरे ज्ञलहीकुंवरफूलनुंरे आरखधरिञ
वतारोरे ॥१मोरजीवनरे बोलिलावनाइम्पार
मीरे भावोह्रदयमझारि मो० उत्तमकुलति
हांदीपिलोरे सद्गुरुधर्मसंयोगीरे पांचेइं
द्रीपदरमांरे इलहीदेहसंयोगीरे मो० सांन
लिबुंसिधांतनुंरे इलकुंतसचितधरवुंरे सु
दीसद्दहणाधरीरे उफरअंगेकरवुंरे ३मो
० सामग्रीमयलीलहीरे मूरखममहार
रोरे चिंतामणदेवेदीधीरे नाखोजेमगमारो
रे धनी० लोहकीलकनेकारणेरे जांनजल ३२
धिमांफोनेरे गुणकारणीकांणनवलखीरे

तारहियानोत्रीमेरे ५भी० बोधिरयणउवेपि
नेरे ऊंणविषयारसदोमेरे काकरमणिस
मोवनिकेरेरे गजवेचेषरद्योमेरे द भी०गीत
सुणीनटनीकजरे तुल्लक्कचित्तविचास्यारे
:कुमारादिकपिणसमजीआरे बोधिरयण
संभास्योरे ७ भी० इति: दूहा: परिहरहरि
हरदेवमवि सेविमदाग्ररिहंत दीषरहि
तगुरुगणधरा सुविहितसाधुमहंत १ कुमति
कदाग्रहमुकिनें श्रुतचारित्रविचारि जव
जलतारणपोतसम धर्महियामांधारि २ स्व
ल: १२मी: ढुंगरीयारी: ।। धनिधनिच
हितकरो साधीनलोजिनदेवीरे

नरिसुषदायगो जीवनाजननक्खनिसेवरे १
नावनासरसुरकेजनी रोपिरंनदयआ
रानिर सुकृततरुजदीअवक्तपसरती स
फलफलस्येंअनिरांमरे २ नां०देवसुयक
रीकरुणास्से कादिमिथ्यादिकसानिरें
:गुपतिनिसंगुपतिरुनीकरें नीकरंसुमति
नीदानिरे ३ नां० सिंचीइंसुगुरु वचनामृतें
ऊमतिकंथेरीतनिरंगरे ऋंधम्मादिक
सकरा वांनरेचारित्रनंगरे ४ नां० सेवतां
एहनेंकेवली पनरसेंतीनअणगाररें गोत
मसीसशिवउरगया नावतांदेवगुरुसपा
रे पनां० अकपरिभ्राजकसीवली अर्जुन
२२

मालिशिवबासरे राज्यपरदेशीजेपायीते का
पीतेतसडवणासरे क्ना०
दलगी अविचलशासनएहरे
अणजेनजे तेहखनमतिगुणगेहरे
तिरथीभावना: दूहा:
देवगुरु विजयसिंहमुनिराय
कसदा जणमितिहनापाय १४
वंदिनाचोनाचोरे
तनमनरयणधर्मलियलाचो
पावीरे १ना० ललनाजोचनचितनदीलावो
धनकारणकांधारीरे
बीजोदोइ शिवशरजावोरे कांई

नेम्यावोरे २ ना० जंहनीपरेजीवजगावो वि
बयथकीदिरमावोरे एहितसीषअमारीमं
नो जोजिसपमदवजावोरे ३ ना० ६ श्रीजस
सोमविबुधवयरागी जसवक्रवंभेपावेरि
: तासमील जयसोमकहेइम घरिरहोइंख
षवोरे ४ इत्त: नोजंवेतगुणवरसश्रवि
ज्ञितहैरस्कजवार नगतिहेतिभावुतन
णी जेसवनिरमजार १ इति भावनास्वाध्या
य: संवत् १८०६ श्रावणसुदि: १ तिथो
लि: पं० विजयसागर गणि शिष्य सवाईमच
देनवे श्रीबीकानेरनगरे श्रीअजितन ३४
यजी प्रसादात् श्रीसंघनवतरां तपागच्छे:

॥पंचमहाव्रततणेंअत्यारिं त्रिविध२जिननाबी आ
णाकूटनदीउतरतां एवंमीकिहांराषीरे१००
नदीयांतणाजीवघणुंरेस्कारि कांमाथीकाम्रं
की भूतिमारगरषवालाथइने चोरथइकांह्र
कोरि२००जीवहिंसानुध्यानककजांणी जिनप्र
तिमाउथापी संजमकारणनदीउतरतां एवं
मीकिहांमावीरे३०० गुरुवंदणएकअणाद्रि
ते नदीयपापआलापी कर्मनियोगेतेवेळांमि
जीया ऊणधरमीऊणपावीरे४०० दयाद
यामुषेघणफेरेपीकोरि धरमभरमनविजांणे श्र
कलजउजेलेसरणेराष्या नदीयमदेरकांन
लेरे५०० इतिस्वाध्याय:॥

जगुरुतणो जिणंदसुरअपारोरे विनय
यकीविद्यातणो तपजपसवआधारोरे वि०१
गुरुवचनलोपीइं नवीकरीइं वचनविघातोरे
वेरीआसननेंनदीवेसीइं गुरुविचेनेंविकरी
वातोरे वि०२ गुरुआगलनदिवालीइं नदि
रदिइंपाबलीइरोरे वरीवरवनानविराद्दिं
गुरुसातादीजीइंनरहरोरे वि०३ वस्त्रपात्र
निजगुरुतणा पलिलेहीइंदीयवारोरे आ
सननेंसनसजीइं पायरीइंसुपकारोरे वि०
४ अशानवसनादिकसुपदिजीइं गुरुआ
णाइंमुखनिरखोरे विबुधमनवसतरिझिमकदे २५
शिष्यथाइंगुरुनेंसरिखोरे वि०५ तिजाय:

॥साहिवनीसेवाफेरदस्यो कहेस्यांखुषडषचा
त आणनदेस्यांत्रिवसुषलदिस्यां ददिस्यांडरि
तसंघात म्हेतीनिजरांरदिस्यांजी म्हारानेंसा
हिवरे म्हेतीचरणांरदिस्यांजी १ च्यारपांचआ
तञ्याठदलीनें नवसत्तधरिस्यांनेद दसपोत
नादीसतकारीनें एकनदेस्यांछेह म्हेतोनिं०र
वेनेबेंगीबनेमंगी बोलावेस्यांबार पनरज
णांनेपासनपदस्यां तेरनेंदेस्यांमार म्हें०रस
तरपालीअठारउजवाली जीपस्यांवानीस
तेवीस्यांनेंहूरितजीनें चितधरिस्यांचोविस:
४म्हे० गिणपांचसत्तावीसधरिस्यां वेताली
सविशुद्ध तेतीसांनेचोरासीटाली करि

आतमस्वरु स्विं० प्रअंगविनानीसंगनकरिस्पा
तरिस्यांनवजलतीर उदयरतनकहेविस
लानंदन जयश्रीमहावीर हह्दि०इतिस्त
वनम्॥ रागकल्याण: इससेंदरविचकोन
दीवांनदे कोनराजानदे इसेसह०१पांणि
केकोटपवनकेकांगुरे दसदरवाजाकोमंद
णदे २इसें० पांचेंद्रीतेवीसतस्कर नगरी
कंरूरतहेरांनदे ३इसें० ग्यांनकोवांनवव
नरसनेजो हाथमेलाउकरांनदे ४इ० वडा
कोउकारसुण्योतवजागे चेतनरायसुजांन
५इ० रूपचंदप्रभुजीकेआगे दसमनमांन
गुमांनदे इ०इतिआध्यातमस्तवनम्॥

३६

॥चैत्यवंदन: वीतरागमुखंदृष्ट्वा पद्मरागस
मप्रभं अनेकजन्मकृतंपापं दर्शनेनविनस्य
ती१ दर्शनंजिनसूर्यस्य संसार ध्वांतनासनं
बोधनंचित्तपद्मस्य समस्तार्थप्रकासनं २
दर्शनंजिनचंद्रस्य सद्धर्मामृतवर्षनं जन्मदाह
विनासाय वर्द्धनंसुखवारिधे३ जीवादितत्त्वा
प्रतिदर्शकाय सम्यक्त्वमोक्षायगुणार्णवाय प्र
दिगंबराय देवाधिदेवायनमो
४ चिदानंदैकरूपाय जिनायपर
परमात्माप्रकासय नित्यंसिद्धात्मने
नमः ५ अन्यथासरनंनास्ती त्वमेवसरणंमम
तस्मात्कारुण्यभावेन रक्षरक्षजिनेश्वरः ६

नहिभातानहिभाता नहिशताजगत्रये वीत
रागपरोदेवो नभूतोनचविष्यति ७ जन्मजन्म
कृतंपाप जन्मकोटिमुपार्जितं जन्ममृत्युज
रातंक हन्यतेजिनदर्शनात् ८ जंकिंचिना
मतित्थं० इतिश्रीचंद्र ॥सामायिकमनसुधै
करो निंद्राविकथानदपरिहरो पडेगुणोबा
चोषपकरो जिमनवसायरतीतातरो १ दि
वसअतेंकोईदियेसुजांण सोनाधमीलाषप्र
माण जेहनोअन्यनकवेतेतलो सामायिक
लीधेजेतलो २ कामकाजधरनाचिंतवे निज
कपटकरीधीजवे अरिरोद्रध्यांनमनधरे
ते सामायिकनिष्फलकरे ३ आपपरायोस

रिष्येगुणे साचीक्ष्वीनह्निणे कंचणपथर
समवृनिर्धरे तेसामायिसक्ष्योकरे ध्रंचेरचतंस
कराजाजेम सामायिकव्रतपाल्पोतेम कहे
श्रीविद्यासागरसीस सामयिकपालोनिस
दीस पद्ततिसामायिकसिकाय:॥ ॥श्वेते
नाजीरखेतेनाजी संप्यमव्रतनेदूषणलागे बो
तेनाजी प्रादवक्रलकलंबणलागे वेपपंचम
व्रव्रतनामे वेपरं अपनीअंगनेतिजतनुदोमे ति
णवगीयोनर्हीलेवे तेदश्रावतनोक्रलनाजो
जी रंफिरक्तिमविषमेवे वेपरं लोकंटसेकल
गुणप्रक्रनिकसे विकसेउरगतिबारी इमजा
णिनेकहोकणसेवें पापपंकजपरनारी रवेप

वरपकोयकरिद्देनवंदन सारकोयलाकाजे
विषदलादलपंनयकीकहै कएविंजी
वतराजिं ४ति राजुलवालावचनरसाला जि
नअंजनसुनाला तिमभिरकररहैतेमतेरा
बो सांतविमलगुणमाला ५ति५इतिरहनेमी
राजुलतिकाय: ॥वालवंनणपार्श्वनाथनी॥
रिषभअजितसंभवअभिनंदन सुमति
नाथजिनमनआनंदन पदमप्रभुजिन
देवो २ श्रीसुपार्श्वचंदाप्रभुसुबुं शु
विधनाथशीतलगुणगावुं सेवंश्रीश्रेयं
सो २ वासपुज्य श्रीविमलजिणेसर ३
अनंतधर्मश्रीशांतिजीणेसर कुंथुना

थ अरनाथो ३ मल्लिनाथमुनिसुव्रतसां
मी नमिनेमीसर त्रिभुवनगामी मिलीयो
भगतनोसाथो ४ पारसनाथश्रीवीरजि
णेसर ऐचौवीसेजिनअलवेसर नित।
नीतनमुं त्रिकालो ५ जेजिनवरमनसुध
आराधे तेमनवंछितबहुफलपावे विल
सेषेमकल्याणो तसघरनवनवनीधानो ६
इतिश्री चौविसजिनवरांरी स्तोत्रं॥ ॥
॥सुरसमरु श्रीआदिदेव विमलाचल
मंडण नाभिरायकुलकेसरी मरुदेवी
नंदन १ गिरनारगिरदोवांदसुं स्वामीने

मकुमार बालपणेचारित्रलीयो तारि
राजुलनार २ जंबूणवामिजिणंदचंद
मनवंछितपूरण: सांइणमाइणचतवे
त तेहनामदहरण ३ श्रीसंषेसरपा
सनाथ महिमामहिमंतो गोमीटोमि
थाइये हरीमनषतो ४ चक्रवर्तिपद
वीतजी लीधेसंजमनार शांतिजिणे
सरसो नमानितनितकरंजुहार ५ पां
चैतीरथजेनमै ऊदकरवीनरनार क
मलविजेकवजायनै तस्सघरजो
जेकार ६ इतिपांचतीर्थीस्तवनम्:॥ ३९

॥९८०॥अथअवंतिसुकमालरोरासलि
ख्यते॥ढाल१॥जंबूदीपमझारिएदेशी॥१॥
मुनिवरआर्यसुहस्ति किणइकअवसा
रि नयरिउजेणीसमोसस्याए चरणकरण
व्रतधार गुणमणिआगर
रस्याए १ वनवाडिविश्राम
स्या दोइमुनिनगरपठावीयाए
मागणकाज मुनिवरमाल्हता
रेआवीयाए २ सेवगणीकहैताम शिष्य
अम्हेकेहना स्यैकाजेआव्याहाए
र्यसुहस्तिनासीस अ

ञ्चनेगुरुनैतिहां ए ३ मांगुहुंउन्हाप
सि रहिवायांनिक पासकत्रम्हनें
दीजीएडं वाह्नसाहतिसाद त्रा
पिनावस्तु आवीउह्नंरदीजीइए ४ सं
परिवारस्रविवार आचारिजतिहां आ
वीसुखेरहैसदाए नतनीगुरुमत्रश्चेन
पहिलेनिसिसनै गुणे आचारिजएकद
स ५ नडासुत्रगुणवंत सुबीससुपम सू
पवंतरलीयांमणीए अवंतिसुकमाल
सतमिरुमित्रा पामुसुषविलसेघणीए ६
तिसुपमनारिबत्रीस सूपेंअपबरा ससीस्य 40

णीम्हगलीयणीएकहैजिनरंगोविनोद परम
धर्मोस्कं लीलाकैअतिघणीए ७॥ढालर मा
यमोविदिषणीआणिमिलाइएदेशी॥ मधुरी
सरेमुनिवरवरै सन्नतणीसझाय श्रवणेसुप
रिसानलिं होजीआवीकुमरनिंदाय १ अवं
तिसकुमालसणें चितलाय विषयप्रमादत
जीकरीहोजी तनमनलगाय अ० एसकुमै
किहांप्रभुनव्यारे जेहकहैमुनिराय कुमर
करैइमसोचनारे होजीवैवैध्यानलगाय २
अ० इमचिंत वतांजपनोरे
नं आव्योतिहांवतावलो

नधांन ३ ऋ० गुरुनाचरण एकमनानमीरे
हेगोमननैकोहि नगवन नेडास्फतत्रहुं
होजी२ हुंकिंडाकरजोडि ४ ऋ० नलिनी
नीगुलमविमानतणारे उपन्हैस्फषजांणोकेम
सरिकहैजिनरवनपी होजीअन्हेजां
एतहुएम ५ ऋ० रतननवडंउपनोरे न
लिनीगुलमविमांन तेस्फषमुकसांनस्य
होजीजातिसमरणज्ञान ६ ऋ० तेस्फषक
होकिमपांमीइरे किमलहीइतेतांम:रुप
करीमुकनैकहो होजीमाहरैतेहस्यंकाम ७
ऋ० एकणमुकनैनदीरुचैरे अधुवसरसव ४१

मांन षारोषाटोदक्षिजलकिमगामे दो
जीजिणेकीधोपथ्यपांन ८श्लो० इतला
दिनकुंजांणतोरे मेरुपलसाश्रीकार
मुकसरीषोकोडनदी
डणिसंसार ए श्लो० नि
रिमोरे एरुषफलकिंपाक करै
रगदिवेडकदो
क १० श्लो० हालर श्रीश्रुतदेवीसमरी
जे भ्रणमीजेगुरुपायरुषनजी
॥स्रजमथीस्कषपांमीड
निरधार अमरजी

वोकितुं जदीसेंत्रिदृस्कभसार १ ऊं०
सं० नरस्करस्कपइणजीत्वकै याम्याञ्च
नेतीवार ऊं० स्करपतिनरपतिएथयो
नजदीत्रिपतित्रिगार ऊं० २ सं० कामा
तिंवोनोरयक्रै परद्दरिमीरडाण ऊं०
नलनीगुत्रिमनिमालद्दे मकफनैवेञ्च
त्रिलाथ कुमुरुजीर सं० तेनणीमकम्के
रिमञा द्वैगुरुजीवारित्र सं० दीजवि
सीहिवकोजीइ लीजीइंदुतस्कपवित्र
कमरजी ४ सं० श्रीआचार्यजइमकटे ४२
श्रजीयञ्चैवेरवालं ऊं० वेलीलानवा

लाकिलवं केलगस्नस्रकमात्न ऊ० ५सें
ऊ० दिष्याउछरपानतां पेवमदाङ्गतष्प
र ऊ० मायेमेस्रउपाकिरो तरिवठजलष्ठि
अपार ऊ० ८ सं० ऊमरकदेउन्देसां सजे
उपविणक्रिमस्रपष्पास स्र० अलप
उपबजस्रपजावड़ तेतोउषनगिणाड़
स्र०७ सं० मयणतणैदांतेकरी लोदचि
णाकणपाड़ ऊ० अगनिफरसकणसदि
सकै उछरडतनिरमाड़ ऊ० ८ सं० तपक
रियोऋतीआकरो सदिवापरिसदघोर
ऊ० कदे जिनरंगस्रनटपई

रमकारीर कां९९ सं० ता लल ५ कुन्तरज्ञा
देक्ष्यतिकुजतोरे एदेन्ही करजोमीक्ष १
गतिरहिरै जमरकदेइमवाणि स्कैन २४
गीस्तुदोदिजोरे जेक्षंगमेनिजगंणी
१ मुनीसरमाद्रैब्रुतसंकाम सुणनेदी।
वानवीनमैरे परिहिरमणीराज सु० २ सा
चाकरीजांपाकेतारे कानासहस्कबए
ह गपाननिजरभगटीदीयैरै गोमसकंनि
संदेहरे सं० ३ उकडब्रतविरपालतारे
तेतोमकननषमाइ ब्रुतलेईक्षणसणकसं
रे कष्टक्षलपजिमयाइ ४ मु० जोब्रुतले ४३

इस्यउसकहैरे तोसांजलिमहाभाग
घरजइनिजपरिवारिनैरे लहेजेअनुम
तिमांन मु० ५ घरआविमाताभणिरे अ
वंतिसुकमाल कोमलवयणेवीनवेरे
करणलगावीभाजरे मु० ६ माइकीमा
हरेऊतसुकांम अनुमतद्योव्रतआदरुं
रे आर्यसुहस्तिनेपास: निजरुअवस
फलोकरुंरे इरिवीमाहरीआसरेमा०
७ सुरधनरजोवनदीरे जिनिजाणीजा
य कालअचिंत्योआवस्यइरेसरणनको
इथायरे ८ मा० जिमपंछीपंजरपन्योरे वे

वेडषतिसदीस मायावंधणमांवम्येरे ति
मक्कविसवातीसरे मा० ए एमुकवंधणन
वीगमैरे दीगांपिणनस्कदाइ कदेजि
नरंगत्रंगजननणीरे स्कषीतकरमारी
माय १० मा० दाल ५ वातमकाहोइत
तणी एदेसी मथिकदेवबसांनजो वात
स्कणावीएसीरे सोवातेएकवातमी त्र
त्रुमतिकोइनदेसीरे १ मा० त्रुतस्पोव
स्पोनानडा एसीवातउकासीरे घस्जि
इजिणिवातथी तेकिमेकीजेदीसीरे ४८
वा० २ किणधूरतनेलावीत किणजु

रकीरनांषीरे बोलै वजावोलमा टीसे
सूरतिकांषीरे ३ मा० वनिशिदिनसुषमं
रहो बीजीवातनजांणीरे चारीवबेश्र
तिदोदिजो ऊषलेवोवेलांणीरे ४ मा० ने
षतिरसनषमीसकै पांणीवलपिणजा
यारे अरसनिरसजेलजीजने वौलेव
वेकायारे ५ मा० ऊदालीफोमलरेसमी
स्कडवरवसोमितलाइरे मानसंथारेणय
री लुइंस्कववैलाइरे ६ मा० आसास्क
यरापदिरवा रागादिनश्नवलारे तिदां
तोमेलाकलजमा

मा० माथेलोचकराइचो रहिकतम
लिनसदाइरे तपकरिवाकैआकरा
धरतीमनवचकाइरे ८ मा० कविण
उवैतैएसदै तेएउवनषमाइरे कहे।
जिनरंगानकीजी ९ जिणिवातैउ
षयाइरे ए मा० ढाल ६ अमलीला
लरंगाचउवरनामउलीयांएदेशी ॥
हिवैकमरइस्कमनचितवै मुकनेको
इनामैसिष्यारे जोनईबइअनुमतिम
विना तचपिणगुरुनदयइदीष्यारे १ ४५
हि० निजहाथइंकेसलुंचनकीये न

लखवेषजतीनउलीधोरे गृहवासतज्यो
संजमनज्यो निजमनमांन्योतिम धोरे
२ दि० नजादेवीमनचिंतवै एतोवेषलेइन
इवेगोरे एहवेराख्यांहिवसुं हिवइं जि
मीइमीगानणीअ०२ गोरे ३ दि० वखतां
नलितेएसुंकीयो सुफअ्रासलताउन।
मलीरे उफदेवीनेमबयांमती देईजा
इंनेउघसलीरे ४ दि० उकनारिवत्री
सेवापइ अवलानवजोवनवंतीरे कण
वंतीरहतीनिसदिने उफमुषसारमोनि
रंषतीरे ५ दि० रंगरातीतादरे उफवयण

कहैविजोग्योरे अवगुणवाडिएन
रिस्तु कहिनैस्यामाटैवोल्योरे कु
हि० रुडघघमन तेजास्येनद्दी बिहजे
रनदीखकरकैमेरे जिनवरजनजलाई
मिली आंबनीएआंसुररेमैरे ७ हि०
ढाल ७ घरिआबोजी स्यांबोमोरीले छ
देशीः।। अनुमतिदीक्षीमायरेवत्ती तु
कनैबाबकल्याणो सफलथ्यावत्त्व
आसमी संयमवदिजोपरिमाणो
१ अनुमति० दिवकुमरतणावछि
तफलथा हरष्योआवतिसकमालो

आवीगुरुपासैतमादीते साधिपरिव
रविसालो २ आनु० सद्गुरुनाचरण
कमलनमी नाबेकरजोडीजमारो ३
चद्दुणसमभ्रमतुरुमुकनणी संसारस
मुद्र·पीतीरो ३ आ० आचारीजउच
राव्यातिहां व्रतपंचविधसंसहसाथ्
ई धनरएहनाजिणे सकणतजाणनरना
रिमिलीइस्याबे ४ आ० नशाकदेश्या
वारिजननी अम्हेमैकसंपदनिदो
रो जालवीज्योएकमीपरे हुफकालैजा
नीकोरो ५ आ० त

रज्यो त्रष्णानीकरज्योसारो जमवा
लिङ्कषजांणोनथी अद्भिमितणोअव
तारो ६ अ० मादेंआथीपोथीदथी
दीधोतेउमहवैदाध्यो दितेजिमजाणो
तिमराखिज्यो वाल्हीमादरीएआथी
७ अ० सांभलीसतजजेबल प्रादसी
तोपाळैनिस्तीधारो इलणमनमावेव
तननी पांभेनवकेरखेदारी ८ अ० धन
गुरुजेहनेएशिष्यपयवे धनमातपिता
कलजास्यो जेहनेकलएसतजपनो
इमबोलावेजसवासो ए अ० इमक ४९

दीनजपारीवली डभणीनजप्रले
इसाधै जिनसंमलपजलमाबली
घरिआवीपइमगाप्रो १० मं० ला
लप पाडणीमनी एटेगी ॥सदगुरा
जीदो उमनेकुकंकरजवदि चिरचा
रिवलैलदी स० तपकरियानविष
ई करमबपैजेदथीसदी स० २ उमची
मनमतियाइ लवंस्त्रमालमएसचुस
स० धोमाकालमफारिकएकरिस्कर
पदवलं २स० मुनिवरजीदो
भयाइरेखल तिमकरिदेवाणपीया
स० चरणेपुसनेरेलागि स

*कंटालाति
हीसष केरकं
घेरसरीरषव
०॥*

णाकीया ३ मु० आवोजिहांसमसाण
वलयमृतकक्रिथगथगाई ४ मु० जिहां
मणवविकराल देषंतामनउन्माद ५
मु० वनपित्रीवनइणिनाम दीसेजम
वनसारिषो मु० आवोतिणमांहि ति
हांआवीअणसणकरस्यो मु० कांटेवि
ध्यारेपाय ततषिणलोहिकरस्यो ६
मु० पगपिंडीपरनाल लोहियावसचा
लस्यो मु० सोनागीस्कमाल का।
मिणपरीसहआदस्यो ७ मु० शक
स्तवतिणिवार कीधअरिहंतसिधन ५८
रं मु० धरमाचारजध्यांन धस्योजिनर

गंत्तलैमनइ ८ मु० ढालए बेबेमुनिवर
चढरपयुम्या एदेनी तिणअवसरआदि
एकअंबूकीरे साथलेईपोतानगबालरे
नम्मणकरवातेदद्दीसफिरे अवली
सबलीतिफालरे १ ति० चरणरुधरनी
आवीवासऔरे बालसहितआवीवन
मांहिरे ११नवदरसंजारिसोधतीरे वा
चालागीपगनैसांहिरे २ ति० चटरद्दसे
दौढैदंतमैरे बटरखायइलोहीमासरे च
टरचरमतणाबटकान्हैरे त्रटर
फिमांसरे ३ ति० ब्रथ

कीरे एकणखरणतोजइणकीधुरे तो पि
णवेदनकंपोनहीरे बीजपदरछनप
दलीधुरे ४ ति० पाइपंहीसाय लञोफवेरे
पिणनैतिणतेनकरेतिलनरहीवरे का
खमाटिपिकअसासतीरे त्वपताणढ्ढी
यावैजीवरे ५ ति० तीजैपदरैपेटविदा
रीयारे जोणकरमविदारयातेणरे चोथैप
दरेप्राणलजीकररे नलनीगुलमलहा
रूपजेणजे ६ ति० रूपदीनातासमरीर
नारे महिमाकरयअनेकप्रकाररे कहे
जिनरंगतिणअवसरमीलीरे वांदणआ ४९

वीसगलीनारिरे ७ तिण० दाल१० नण
देवकी किणनोलच्यो एहनी जाति:॥
वादी स्वैयुसनणी श्रमचीदीसनही
नरतारकामनी कि दंगयो मुनीतिकहे
उपयोगी कहे तिणवारकामनी १ वां०
दीयजेपटिदायसुं उपाके सिरनाकेस कां
० विलवे पीयविणपदमणी ससनेही
पांमेकिलेस कांमनी २ वां० आव्यादत
पोल्तातीदां छवायो मरणस्केद
कां० हादाकरधरणीदजी बुटाआरु
मानयणदकांमनी ३ वां० रतनादि

नमोमीरती व्रतधारीजांतो नरतारको ।
मनीस्तलोदीसकषश्रम्हातणो सासौ
नदीइणकरतार का० ४ वा० देवद्री
श्रेरेमापणो दिवेक्सम्हेसऊधण्या का०
मननाडषकदियेकिणे न्म्हेतुपमी
यात्तेद्वाष्ट्र का० ५ वा० वनीपनतावे ।
करे जाषंतीसुषनीसास का१० कदे
जिनरंगछरैजे बत्रीसैमइनिरास का
१० वा० ८ डालरामी बलायस्तुदेजो ।
सुफरोबेएदती: डषननररोतीनारिब ५०
तीसैगदरबोलैवचन परलोकैपोद

हतासही सांस्कजीवम्हउत्ररतन
२ ठलायस्युंटेज्यो मांनुमुकरोरे अरे
नणदीनावीरा अरेअमीलकहीरा अ
रेमनमोहनगारा अरेडीवडीतमप्पा।
रा दे० २ नडास्फलिङबलीघेडरे सुर
मरणतीवात व्यारपोहरडवमेगम्यारे
पोहतीलिणवनपरजात व० ३ कंथ
रीवनहुंछतारे उत्रकलेवरहीव नश
नारीउनीरहैरे नयमोजलक्षरअ
ठ ४ व० द्वियमारंपटेनहीरे
हंकरेस अंतरजांमिवाजहारे पोह

तो नोबेपरदेस ५ ब० दियडावंनि
तुरक्यौरे पातफजदीलोद करम
लीयो रूटेनदी ठंबा ताततणोदिवोद
६ ब० दीयफादरखकेतायइरे नो
तुअंगारेटेद सोनतांसूटेनदी तो
बोतादरोनेद ७ ब० ऽमपरफरीमा
डीउरकरियनीरदीरे बावदी
येजिमभेद ८ ब० डबतारेसायरस्क
लडोरे दियमाभेन सदाय वेतका
रिजमुतनोकीयोरे जिनरंगदीत्र ५२
कनाय ९ ब० दानंर२ मोरीबद

वीकलैकाइग्रवरीजवात एदेरीग:
मिज्ञातटवनीरकै मायाकिं[illegible]लती
जोय श्रो[illegible]कनीना श्रा[illegible]ए रहियनी
वीयनिवोइ मोरीव[illegible]एस्तुपयेरेल्
काज १ गयो मुज[illegible]थीराज कंवप
णीयइन्स्राज मु[illegible]एघरमंदिरकेना कै
स्ला पृथ्नरास श्रीजायानीतालनो
मङ केदीजीवीतग्रास मो० २ प्यार
कावेवणा श्रतधूलकीधूज मी० २
मात पितास्कतकामनी संयोगमिली
याग्राय वायडंमिलीयावादला

यह्रंत्रिबरीजाय मो०४ द्विसैसकएका
रिमो त्रिणसतांकाईनवार संख्याराग
तणीपरे कारिणीमसञ्जयरिवार मो०५
टाल १२ मोरीव्हीनीश्रीवकिवरदेशी
॥ चउज्झातीरिमजावे गरनवतीघररा
केजी ञ्जावरवधुथोतेगुणरसाबै वृता
ञ्जछूतरसपाबैजी न०१ दंवुमदाइ
तइणविथपावे इबणसगलाताकेजी
उकरतपकरिकायागालै कलिमल
पापपषाळैजी न०२ ञ्जंतकालसव ५२
ञ्जणसणपाले तजीवदारिकदेहजी

देवलोकनाफलदेई: चारित्रना
फलएहीजी ३ न० केहैनर
तजायो देवलतेणकरायोजी
रणनिर्वाणमस्यायो महाका
जी ४ न० वास
कमतिलताजनकापीजी कीरतिजे
हनीसगलेव्यापीस्यरज
जी ५ न० संवतसतरैइकतालीसै
शुकल्याखाढकदीसेजी
श्रावमदिवसे कीधीसिकाय नेमीसे
जी ६ न० नड़ाघरश्रावीरमत्रासे।

: रतिम

॥इति श्रीअवंतिस्कंधमा॰ नवउदीसं
र्णम्॥

गवीरवखांणीरांणीचेलणाजी सतीयेंपूरीरीम
णीजांण चेडानीसातिसतीजी श्रेणिकसिर
लजमांण २वीर ० वीरवांदीवलतांथकाजी:
चेलणादीठोरेनिग्रंथ रात्तेवनमांदिक्खाउसग
रहोजी साधुछेंमुगतनोपंथ २वीव सीतवंग
रसवलीपहिजी चेलणाडीतमपास चारती
योचितमेंवसिंजी मोदबाहिररहोहाथ २
वी० ऊवकजागीकहेंचेलणाजी किमकर
तोहसीतेह कांमणरेमनऊंणवस्योजी श्रे
णिकरेपन्योरेसंदेह २वीव अंतेवरपरजा
लज्योजि श्रेणिकदीयोरेआदेस: भगवंत

सांभलीजी श्रीजी चमकीयोचितनरेस: प्रवी॰
वीरवांदीवलितांथकांजी पेहसंतांनगरम
झार धूंराझीरदीगोतिहांजी श्रेरे अनयक जाप
मार प्रवी॰ तातनोवचनमांनीकरीजी व्रत
श्रप लीयोंअयकंमार समयसुंदरकहेंचेलणां
जी पांमसीजवतणोपार प्रवी॰ चेलोणारी
सिंझाय संपूरणः॥ ॥आंबिलनीदेरी:
नवपदमहिमासार सांभलजोनरनारि आं॰
हेजधरीआराधीये तपांमेंत्रवपार भवक
लतपरिवार आंबि॰ नवदिनमंत्रआराधी
यें १ आसूमासविचार नवआंबिलनिरधार

विमसुंजिनवरस्जीयें अरीहंतसि
गुणछेतिरेहजार आं० नवपद
२ मयणासुंदरीश्रीपाल:
आं० फलदायकतेह
कंचणवरणीकाय देहतेहनीथ
आं० श्रीसिद्धचक्रमहिमाकहो र सि
द्धचक्रमहिमाम्पार आराधीनरनारि आ०
जश्रीहियधिघणु चैत्रमासवलीएह न
मदीनेह आं० सुष्योदेसुरशिवत
४ इणपरिगौतमस्वांम
नांम आं० नवपदमेहिमा
मसागरशिरा अणमेतेनिसदीस

[illegible] इमाणीयी से [illegible]
[illegible] निविउं [illegible] मेलवी [illegible]
[illegible] समसोसरी [illegible]
[illegible]
[illegible] संग्या [illegible]
[illegible] गारमोरे [illegible]
[illegible] सेनरे [illegible]
[illegible]
[illegible] सरदे [illegible]
[illegible]
[illegible] सम [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

॥सिद्धस्वरूपदवंदी: एदेशी॥ अन्यमंयोगेनस्तव
लाधि साधोआतमकाज विषयारसजाणोविष
सरिषा इमभाषेजिनराजरेप्राणी २ राइीभोजन
वारी आगमवाणीसाचीजांणी समकितगुणसं
भारीरे प्रांणीराइी० अनदाबावीसमैरयण. २४
जन दोषकह्योपरधांन
मि जोऊवेंद्रियप्रांणीनरे प्रां०२ दान
पुधनेभोजन इतरारातनकीजे एकवारसूरज
नीसाखे नितवचनप्रमणीजेरे प्रां० उत्तमसु प४
पंखीपिणरात टालेभोजनटाणो
मधरावो कुंसंतोबनआणोरे प्रां०
नीकोलीवाग भोजनमेंजोआवें कोo

वमनविकलता एहवोरोगउपावेरे ५ञां० बिलूना
वजीवहत्याकरता पातिकजेहवोपायो एकतला
वकोमंताविनरो इषणमुगुरुवतायोरे ञां०६९
केमीतरुनवसरफोन्यांसम एकदवदेवतापाप
अहनीतरनवदवदीक्षाजिम एककविएजमं
तापेरे ७ञां० एकसोनेचमालीसलकला कवि
एजनाजेदेष कनीएक कलंकदेयंता तेहवो
पापनवीहीरे ७ञां० एकसोहकावननवजगदी
क्षा कमाकलंकअपार एकवारशीलखंयातेह
वो अनरयनोविस्तारोरे ७ञां० एकसोनेनि
नायूनवलगबंध्या शीलविषयसंबंध एकरा
वीनोजननीतेहवो करमनिकाचितबंध १०ञां० ५७

रात्रीभोजनदोषघणाछै स्योकहीएविसतार
केवलीकहितापारनपाम्या ग्ररवकोनिमफ
रिरे ११॥ मुनिविहारकरीजे सुनपर
णाभद्रीते मासेमासेपक्षमणतो जोंद्रसीविध
जीजेरे १२॥ मुनिवसतानीएसीवामण
जेनरनारी सुरनरसुखविलसीनेतेद्दवे मोक्ष
तणाअधिकारी १३॥ इतिरात्रीभोजनाधि
आयाः॥सीमंधरजीसुणज्योमोरीवीनती
ऊमेवोएरमदयालरे नग।
जी सेवकजिनप्रतिपालजी १श्री
यंसघरअवतस्या सतकीमालमक्षारेरे

नवंबणपगतलचसें संयमश्रीहतधरजी
रसी० श्रानजीहूगरवनघणा देवनदीसी
मोनेंपांषरि कहेकिणरिधश्रावीमीतुं श्पर
जकरेमीरीश्रांबजी नसी० एकश्रलमापि
णढुकन जेवसेजेतेंवितरे श्रणगमतांदि
श्रागलपीरे मनपावेकिमरूवेश्रीतरे धसी०
रागद्वेषजिणमांदेनहीं श्रोपरमेस्वररीदष्टरे
वांबीयारिणकिमजांणीयेजी केफलकन
वांकेंमिष्टरे पसी० त्रफविणदेवश्रनेरमा:
मांहरेमननस्हदायरे सहसमेवालदीसा
मगा कवणनीबोलीबांयरें दसी०३मनि
जरनरनिरषज्यो वलिदज्योत्रिचवारवासरे×

×गणिजाल
वंदकदेंमा
हरी सांन
लीएहश्रर
दासरे७सी
० इतिसव
नम×

नै×

॥वीरजिणेसरवंदिनै १वेगौतमस्वामी
रे: आवतीचौवीसीरे तीर्थंकरकहि
मीरे १वी० केहकेहनाजीवथावसे
गवनतेमुकत्थासोरे: श्रीनतीर्थंकरपि
वरकहे: केवलग्यानप्रकासोरे २वी०
पद्मनाभपदि जाकसे: श्रेणिकजी
थासोरे बीजोसारे देवजीवतेअमरि
रीकरूपासोरे ३वी० उदाईकोणि
तणो तीजोसकपार्श्वथासेरे पोहलि
भजिनचौथमनो स्वयंप्रभुचोथेकह
रे ४वी०

वद्दारुसिद्धांतोरे: देवस्कंतर्बठो वसु
कोड्कीरतोजिरवकुद्दतोरे ५ वी० सं
भ्रमावक्रजीवसालमो: लिखिंदंयतीर्थं
करजाणोरें आणंदनो जीवआवमो
जिर्नदेसानवकोणोरे ६ वी० नवमोजि
नपोंहतनमो जीर्वसंनेदनोसावोरे स
त्यवीर्दसमोक्रसै सताकश्रावका
जीवपाचोरे ७ वी० मुनिसुव्रतइग्या
रमो देवकीजीवदयानोरे सत्यकी।
जीवतेरामो अमेमनामनिदानोरे
८ वी० वासुदेवहलेतेतेरमो श्रीनिक ५७

पायस्कनीतोरे । रवटमजीलवलदे ।
वनो श्रीनिर्मुलाकवदीतोरे ए। वी०
पनरम श्रीनिर्ममजासै श्रावकस्क
साजीवोरे रेवलीजीवतेसोलमा: चि
त्रगुप्तजगदीवोरे १७ वी० रेवतीनो ।
जीवसतरमो समाधितीर्थंकरजाण
रे अढारम संवरप्रभु जीववालावल
णरे ११ वी० जसोधरजनमणी समी
दीवायननोजंतोरे अथ सिद्धकणीनोजी
वते वीसम विजैयभगवंतोरे १२ वि०
इकवीसमे मल्लिमुनिपति नारदजीव

निरागीरे श्रीदेवनामवालीसमो आ
वकअंबन्हेनागीरे १३ वी० अमर
जीवतेवीसमो अनंतवीरजअनिध
नोरे स्वयंबुधजीववौवीसमा नरक
रमभनोरे १४ वी० परिवादेवमानआ
जवे कल्याणकनादितसारेरे वर्तमान
चोवीसीयी पश्चानुस्वीभरोरे १५ वी
० चोवीसीआवती पणमीजैकरज
नातोरे कहेलवधिलीनैगुणगावे
मकरीनेप्यारीसीरे वी० १६ इतिश्रीआ
वतीचोवीसीस्तवन लि० सवाइमल:॥ ६०

।श्रीवीरायनमः वीरजिणंदवांदीनेंगोतम
चरीयेसंचरीया पोलासपुरनगरीमेंगोतमः
घर२ञांगणिफिरीया १ आयाश्रीमपधरोर
जञ्यमघरिवदिरणवेला. २
मनोरमतें मनगमतामुनिदीठ कंचनवरणी
कायानिरखी मनमेंजागमीता: २ञा०
कुमरअमीरसवाणी एहकहोञनिरामवे
पोहरिफायेञलवांणा जमवीकदनेंकांमें
२ञा० सांनलराजकंवरसोंनागी श्रध्यावे
षणकीजें निरतीचारनेंनिरवषण घरघर
निहालीजें ४ञा० आयोञाजअम्हारेमि
दिरः कल्पिताविश्वकरसुं जेजोईये

गतिकरीनें नावेंनिष्पादेसुं ॥ [illegible] ॥ इमकही
घरतेनीचाल्या आवेंमनआणंदें ऐमंतारां
णीदेवीनें विधसुंगोतमवंदें ॥ [illegible] ॥ आजअ
म्हारेंरतनचिंतामणि मेंदअमीरसतुग के
अमअंगणसुरतरुफलियो जेमेंगोतमदीव ा
॥ [illegible] ॥ रेवाजुमानक्तगुणवंता गणधरगो
तमआव्या श्याननरीनेमोदकमीग नावेंक
रीवहिराव्या ॥ [illegible] ॥ वंदिपायकंवरमुनी
वरना हाथमेलायोमाथें मोल्हानोकह
तोमाताजी इमकहीचाल्योमाथें ॥ [illegible] ॥
कंमरकहेंजोनाजनआपो नारयणेकु
पासें गोतमकहेंअमेंजेहनेंआडुं चारित्र ८१

लेश्रमपासे १०श्रा० कुंवारिचलेईसश्रमपासे
नारचीमुफसाथें गोतमसबेंश्रनुमतकेदनी
मायमीकल्पोश्रमसाथें ११श्रा० गुरुगोतमसं ६४
नेंश्रमजांणि दिक्षादीधीतेहनें वृद्धमुनिनें
सोंपावीदीधुं मुनिमारगचोपहनें १२श्रा०
तेसंभमायेंश्रयमतोचाल्यो साधुसंघतेवनमें
नांनकजेसरनीरिनरीयो देषीहरख्योमन
नमें १३श्रा० नांनकीनोसरसेवरमांनो नाव
ननावकरीश्रयमंतो वलतांतेसाधुजीदेवें
बालकरांमतरमतो १४श्रा० बोलावेमुनि
बालकनें १श्रा० पणनविकीजें छकायजी
वविराधनकरतो दुरगतिनाफललीजे
१५श्रा० लाजघणीमनमांहेंश्रपनी समो

सरणमेंआवें थोईरीयावहीतेपडिकमतो
आंनआकमनआवें १८आ० केवलग्यांनति
हांकपनो थानरमनिअयमतो शुभमनेते
वारित्रपाली तेमुनिमुगतेपोहतो १७आ०गो
तमआदिअयमतोसिरषा गुणवंतारिषीरा
या लिछमीरतनकर जोडीवंदें तेमुनिवर
नापाय १८आ० इति अयमताऋषिनी सि
झाय:॥ ॥धरमममकरमहिमानिजो धरमसमो
नहीकोई धरमेंशुधदेवता हुवेंजिनफषहोइ
१थ० जीवदयानितपालीइें संयमसतरप्रका
र नहिंतेतपतपो भवतरणिएसार १थ० जिं
म तरुवरनेंफलमें तमगि...इजाय तिमसं
तोषेंशातमा जिमक...धाना थंइरणवि ८२

सिचिरेंगोचरी विहरेंसुधआहार तेंचेनीचेंमी
कमउ्लें धनधनतिअणगार सधु० मुनिवरमधन्व
रसमकह्या नहीनिरासनदोष लाभेंनानदिहने
अणलाभिंसंतोष पध० अध्ययणपहिलेंडमव
ण्णी सघराअरथविचार ज्ञानकलसशिष्यजे
तसी घरमेजयजयकार ह्म०२थमाध्ययन
तस्रिज्झाय: १ ॥ कसरकचे० एदेशी। हिवाइ
हिलीआदरेंजी कांमभोगफलजांणि सकल
वसिउछलगवणीजी वेराग्येंरंगमांणि ॥ सुनीस
धनधनतेअणगार भोगतजीजोगआदरेंजी ते
हनेंकंवारलिवार २ सु०जी० ननवाले हलोसुक
तोजी नकरेंतीलसिगार जांणेनको
जी ऊणक्रंकअणतिमोहि ॥ सुण क

आकारीजी कीमकतनकरेदेव रागद्वेषतजियाद्द
आजी जिमसुषपांमेंअद्देव धमुप आगतिकांमज्ज
तेषनेजी अंगयनकलसाष वम्योनवांबेंविस्म
वलीजी तिमकलआपणेंछाप मु०५ थिगथिग
तंजसवांबतोजी वांबेंवम्योआहार जीम्यांथी
मरणोलकोजी लिलजनलागेंवार मु०६ नारी
सारीणारवीजी देषीदेषनमूल वायकंकोल्या
तसपर्नेजी अथिरक्रईसिहृति ७ मु० जिमद्द
थीअंकरावसेजी थिरगांमआवेंतेम राजम
तीसतीइकव्योजी थिरगांमआयोरथनेमि
८ मु० अशयणअांमणउद्दीयेंजी बीजेंएद्द
वचार श्रीउत्तमकलसाहिबजेतसी अणमेंस
नमचार ९ मु० इतिद्वितीय अध्यायनसिकाय: ६३

।१२ ॐ गौतमसमरीजे मनवंछितफलनो
दातार लबधिनिधांनसकलगुणआगर श्री
वर्द्धमानेप्रथमगणधार ।३। गौतमगोत्रच
वदविद्यानिधि ३ पृथ्वीमातपितावसुभूत:
जिनवरवांणीसुणीमनहरख्यौ बोलाओनां
मेंइंद्रभूत ।४। पंचमहाव्रतलेईप्रभुपासे
चौजिनवरत्रिपदीमनरंग श्रीगौतमगणध
रतिहांगुंथ्या इरबचवंदउगाजसओग र
।५। लबधेंअष्टापदगिरचढीया चैत्यवंद
नजिनवरचउवीस पनरेसेतिरोतरताप
स: प्रतिबोधेकीधाजिनसीस ।६। अद्भु
तएहसुगुरुनोअतिसय
लनांण जावजीवछठछठतपपारणे आप

एपेगोचरीयेमध्यान प्र०५ कामधेनुसुरतरु
चिंतामणि नामग्रहेजसुकेरीनिवस्य: तेसु
सुगुरुनोनामजपंता जातेलिषमीलिलविला
स ॥ प्र०६ तोन घणोविणजेमापारे आवेपद
णउकसलेवेम श्रीगौतमगुरुनोध्यानधरंता
पामेउत्तरकलरबकवेम प्र०७ श्रीगौतमस्वा
मीतणागुणगाता अष्टमहासिद्धीऊवेरेनिधे
न समयसुंदरकहेसुगुरुजगांदे ऊन्नद
यश्रासोपरधान प्र०८ श्रीगौतमस्वाम्याय:
उँह्रींश्रीगौतमस्वामिसर्वज्ञायनम: मालारे
फेरीजेसूर्योदयवेलां मनवंछितकार्यसिद्धी:
॥श्रीजिनेशायनम: दुहा: श्रीनेमीसरचरण
जुगा: प्रणमुंकरिजनात बावीसमोजिनवरगु

सः ब्रह्मचारी विख्यात २ सुंदरि अपछरसारिषी रति
समराजकुमारि नरजोवनमेंजुगत्तिसुं कोसीराज
नारि २ ब्रह्मचारि जतिणपालीओ धरतोउधर
जेह तेहतणापुणवरणवुं जिमथावनाइंदेह
सुरगुरुजोहोतेंकहें रसनाम्रहस्रबणाइ अल
वरजनागुणघणा तोपिणकह्यानजाइ ३ गलि
तपलितकायाथई तोहिनमुंकेपास तेसणप
लोनेभूतधरे जंबलिहारीतास एजीवविमासी
जोइहुं विषयमराविगमार थोडासुषनेंकारणें
हारथघणोमहार द दसहष्टांतेंदोहिलो लाधोन
रभवसार पालिशीलनवयादिसुं सफलकरें
अवतार ७ मनमधुकरमोहीरह्यो एदेवी सी
लसुरतरुवरसेवीइं ब्रह्मादिगोरुयोजेहरें
देनकदाग्रहवोलितें थईंग

जिनसासनवनअतिभलो नंदनवनअनुहाररे
जिनवरवनपालकतिहां करुणारसभंडाररे २
सी० मनथांणेतसरोपीयो बीजनावनांकुररे ३
ग्रासारणतिहांचढे विमलविवेकतेअंकुररे ससी०
वलसुदरिसमकितनलो थंतनवोलतदाहिरे
साखिमहाव्रततेहनी अणुव्रततेलघुसाखरे ५
सी० श्रावकसाधतणाघणा गुणगणपत्रअनेक
रे मंजरमसुभबंधनो परिमलगुणप्रतिकरो ६सी
०उत्तमसुरसुखफूलना शिवसुखतेफलजांणि
रे जतनकरीरखवाळिवो हीयडेअतिरंगआंणि
रे ६सी० उत्तराध्ययनेंभोलमें वंतसमाहीएहरे
कीधीतिणरूपणापती एनववादिसुजांणरे ७सी
० रहा दिवेसांणीजाणीकरी राखिजथमएवाहि
जोएलांजीपेमसी जांणेजमदाअक्षि रजेहमते

रूपलक्ष्मी अमदाायमयमस सीलहहाकण
सी वाद्रिदिणचाद्रिवरुस २जलस्नणद्वरी।ददे
जी: नावधरीनितपालीयें गिरूयोबहलव्रतम्म
रही नवियण जिणथीत्रिवस्तुषपामीयेंसुंदर
तनसिणगारही न०१खीपसुपं।।हगजि दावस्ये
तिहांरहियेनवरासही न०एहनीमंगतिवारी
ई अतनोकरेंयविणासही न०२ना०मंजारीपं
गतिरमे रूकमहसमगमीरही न०कुसलकि
हांथीतिहनें पामेंदषअतिघोरही न०२ना०आ
निकंमपासेरह्यो अघजेछूतनोकंनही न०नारि
संगतिअरूषनी रहेंकिसीपरिबंनही धन:सी०
सिंहगुफावासीजतीरह्यो कोस्याचित्रसालही
न०अरतपज्योवसितेहनें देसगयोनेपालही
न०१सि० विकलअकले विणंपांन पंषी ॥ बा४

करताकेलिहो नःदेषीलषमणमहासती:
सलीघणशलिकलहो नं॰दताः॰चितचंचलप
मतानरा वरतेतीजीगेहहो नं॰तजिसंगतिते
हनी करेंजिनहरषक्रमेदहो नःअला॰१८
।।अथवानारीएकली जलिनसंगतिलास थर
मकथाणिणनकहवी बेसीतेहनेपासि १ते
हथीअवगुणऊपजेघणा संकापामेलोक आ
वेअबतेआलमिर बीजीवाधिकिलोक २ग
ल.३ककरऊपेअतीकतलोरेएदेशी:।।जा
तिरूपकुलदेसनीरे रमणीकथाकरेंजेह
तेहनेब्रह्मव्रतकिमरहेंरे किमरहेंव्रतसंने
हरेप्राणी १नारिकथानिवार रंतोबीजी
वाधिविचारसंप्राणी नारी॰ वेदमुषीमृगलो
चणीरे वेणीजांणभुजंग दीपशिखासमना

सिकारे अधरप्रवालीरंगरेप्रांणी २नाº वांणी
कोइलजिदवीरे वारणकुंभउरोज हंसगमणि
हंसहरीकटीरे करयुगचरणसरोजप्रांणी
३नाº रमणीरूपेंवरणवेरे आंणिविषयमन
रंग मुगधजोकइमरिंझवेरे वाधेअंगअनंगरे
प्रांणी ४नाº अपवित्रमलनीकोथलीरे कल
हकाजलनोगांम श्रोत्रइमपारवदेंसदारे च
रमदीवहीनामरेप्रांणी ५नाº देहउदारिकका
रमीरे खिणमेंगुगरथाइ सपतधातरोगाकुली
रे जतनकरंताजाइरे प्रांणी ६नाº चक्रीचो
ठी जांणीयेरे देवेदीगीआइ तेपिणखिणमें
विणसीयेरे रूपअनित्यकहाइरेप्रांणी ७न
नारिकथाविकथाकहीरे जिनवरजीतेआंण
अनरथदंडअंगसातमेरे कहें ८

संगरिआंणी ढाल ७ इहा: ब्रह्मचारि जोगी जती
नकरें नारिसुंसंग एकणि आसण बेसतां थाइ
ब्रतनें भंग १ पावकमांलें लोहनें जो रहेंपाव
कसंग इम जांणी रिआंणीया तजि आसणत्री
यसंग २ ढालथ छ्रसोदागरलालच: ए देशी:
त्रीजी वाडिहिवें चित्तविचारो नारिसहित बै
सवो तिवारमेंलाल: एकें आसण कामदीपावें
केहथैब्रतनें दोष लगावें लाल: १ त्री० इम बे
सतां आसंगी थाइं आसंगें काया फरसायें
लाल: काया फरस्ये विषेरसजागें तेहथी अ
वगुण थाइं आगें लाल २ त्री० जो वेश्यासंन
तप सिद्धो तन करस्यै नीयाणे कीधे लाल बा
रमो चक्रवर्ति तिर्येअवतरीयो चित्रें प्रतिबोध्यो ते
हनें दीयो लाल ३ त्री० तेहनें पिण उपदेसन ६७

नरकतणीसातीसहिनाणीलाल: एहवेआसणउपज
जाणी विरतिकायरथईजाणीलाल: सातमीन
रकतणाउषसहीया खीफरसेअवगुणइमं
कीहीयालाल:धवी० कामविरामवषेउषश्रे
णी परहरिनिजआतमहितआंणीलाल: पत्री
०माइबलिननिजबेटीथाइं तेवेसिनेकरवीजो
इलाल: कतवेंएकणिमुक्तरतपावें बेसिवो
जिनहरसुआखेलाल:हवीधहूहा:। चिरति
बतजेहरतली तेजोएवीनांहि केवलीज्ञानीइ
मकहीो दसवैकालिकमांहि १ नारिवेदनरप
तिथयो चक्रकसीलकहाइ लषमनवचोथी
वाहितजि रुलीयोरूपीराइ २ललपमोहण
सुंदरीलेमयो देत्रीः॥ मनहरइंदीनारिनांही
जोवषेविकार गुरुरिकामीहृगनणीरो

सरख्यो करतार १सुगुण देनारीरूपन जोइये जो
ईयेन हीधरिया सु० नारीरूपे दीव जो कामी व
सघपतंग जोसुषने कारणे हो दाझे अंगसुरंग
सु० २ ना० मनगमतां रमतां ही मे उरकेच वदनसु
रंग नदर अदरनो गीभस्या हो जोवंतां बतलंग सु०
३ ना० कामणगारी कामिनी जीतो सयल संसार
आपणपे गावनेको रही हो सुरनर गया सहूहा
र सु० ४ ना० हाथ पाव बेदा कवे कांनना किवि
या जेह तो पिण सोवरसां तणी हो ब्रह्मचारी त
जे तेह सु० ५ रूपे रंभासारिषी मीठा बोली ना
रि तो किं जोवे एहवी हो नरजो वरब्रतधार:
सु० ६ अबलाई इंजोवतां मनथाइ वसि प्रेम:
राजिमती देषी करी हो उरतक्रिया रहनेम: ५८

सु०७ रूपस्वरूपदेषीकरी मांहिपदिकामंध उष
मांणेंजांणेंनदीहो कहेजिनहरषसंबंध सु०८
।दूहा। संजोगीपासिंरहे अलगा रिनिसिदीस:
न कसलतेहनाउतन्नणी नाजेविसवावीस १ वसे
नदीकंटीअंतरे सीलतणीजइंहांणि मनचंचल
राषिवा दीयेंधरीजिनवांणि २ढालढश्रीचंदाप
भुभाकणीरि एढाली:। वाणिद्विवेंसुणोपंचमीरि
सीलतणीरषवालरे दूरोपदसीतोमदीरे व्रत
थासीविसरालरे १वा० परीयचजितरेंअंतरेरे
नारिरहेंजिहांरातिरे केलिकरेनिजकंतसुंरे
विरहमरेदिगातिरे २वा० कोईलजिमटंकाकेल
वेरे गावेंमधुरेंसादरें गदमातिरहतीथकीरे

सुरतिस्मरस्तनमार्दरे स्वा०रोवेविरहाकुलथ
इरे दामीहुयदवजाजेरे दीणेंदीणेवयणमेरे
कामजगावेंबालरे ४स्वा० कामवसेंदमदमदसें
रे त्रियमेटोतनतापरे वातकरेंतनमनहरेरे वि
रहणिकेंविलापरे ५स्वा० रागविषयसुषचंदे
सेरे हांसेंअनरथहोइरे रामघरणीहाम्बायकी
रे रावणवशथयोजोइरे ६स्वा० ब्रह्मचारीनविसे
जोरे एहवाविरहीनीरावेणरे कहेंजिनहरष
धीरपटजेरे चित्तचलेंसुणिसेणरे ७स्वा० हवा
बडीवाणिरमकहो चंचलमनमजिगाइ वाधीपी
केविलसीयो तिणिसुंचितमजिगाइ १स्वामनो
गसुषशरव्यां आपेंनरगनिगोद परतिषनो

कहिवोकिस्य विलसेजेहविनोद२ढाल४आज
नदेजोदीसेनाहलो एदेशी: नरजोवनधनस्वाम
जीलही कांमीअनुपमभोग: पंचेंद्रीनेवसिभोगव्यां
पंचेभोगसंजोग १न० तेचीतारेंब्रह्मचारीनही
धुरिभोगवीयासुरव थासीविससालसमीपमां
चीतास्याँछेदुष २न० सेठमाकंदीअंगजजाणी
ये जिनरषितइणिनाम जक्षतणीसिष्यासकु
वीसरी आमीदितवम्भिकाम ३न०रयणादे
वीअनंगफदजोईये सरवप्रीतिसंभारि तोतीषी
करवालेविंधीयो नांष्योजलधिमझार ४न०जो
वोजिनपालिकपंमिलथयो नकीयोतासवेस
स मेलवणीविणबीतिनमनधरी सुषसंजोग
विलास ५न० सेलगजक्षेलहविणकसुस्यो
मिलीयोरिनगरिवार कहेजिनहरषनरव

तसीया संसारेंनरतारि ३७०। इत्ता वाराघाटावर
वरा भीलभोजनजेह मधुरा मउलकसाइला रस
नासकरसलेह जेहनीरसनावसिनही वाहें
सरस आहार तेपांमेंउपथांणीया चउगतिरु
लेंसंसार २ ढाल: ८ नायकमोहनचावीयो ए
देशी: ब्रह्मचारीमेंकलिकातमी निजआतम
हितआणिरे कामिमनांमेंसाल सुणिजिनवरनी
वांणीरे ३७० कवलफरेंकपानतां रूतबिंउस
रसआहारोरे तेहआहारनियारीयें जिणथी
वधेविकारोरे २७० सरसाररत्ती आहारे इ
धदहीपकवांनोरे पापश्रवणतेहनेंकहो उ
तराध्ययनेंमोनोरे ३७० चक्रवर्तिनीरसवती
रसिकथयोचहदेवोरे कामविडंवणतिणिल
ही वरजीवरजीनितमेवोरे ४७० रसनानो ७८

जेजीलपी जंपटलेणसवादीरे मंत्रूआचारि
जनीपरे पामेंकमतिविशादीरे ध३०वे
फिरमादीओ निजसुतनीराजधानीरे राजा
रसवतीवसिपघो
३० सबलआदारेबलनथि
वेदीरे वेदेंव्रतर्षफिलकूड कदेंजिनदरष
उसिदीरे ७३णदूहा अतिलीप्रेआदार
गलेंरूपबलकांति आलस.
दीषअनेककहिंति १घणेंआदारेंविसचढे
धणेंजफाटेंपेट अंनअमीमोकरतां दांमीपा
हेंनेंट २त्तालव जंबूदीपमकार एहेंशी। ७
रुषकचलवत्ती जोजनविधिवादी अठा
वीसनारिजणीए पंनगकवलचोवीस औ
धकेडपणहोइ असातात्रातिघणीए

तथरनरनारि थायेतेहनेंकणोंदरीयेंमुणथणा
ए जीमिंजासकजेहतेहनेंगुणनदी अतिचारए
इ ततणाए २ जोइकंमरिकमुणिंदसहसचरसल
गिं तपकरिकरिकायादहीए तिणनागीचारित्र
आयोराजमें अतिमात्रारसवत्ति लहीए ३ मे
रानेमिथ्यात्व विजननवनरा मालिदालिघृत्त
सूंचिकाए तेजननकरिलरसर सतोविसिस
में हूईतासविसूचिकाए ४ वेदनसहीअपा
र आरतिरूइमें मरीमायोतेमातमीए करेंचि
तहरपडमाण तेजोजीनीयें रानीकहीए आ
गमीए ५ इत्यः॥ नवमिरानिविचारिनें पालि
सहानिरदोष पांमिसतनिलप्राणीया अवि
चलपदवीमोष १ अंमविन्तपातिकरें तेकंजो
गीहोइ उत्सवारितनसोनचें तेकारणनचिको ७१

५ २ ढाल १० वीरभद्रिगजछकीजतरी: एदेशी:
सोन्नानकरैदेह्नी नकरैतनसिणगार ऊगट
णपीठीकली नकरैकिणदीवारी १सुणिचेत
नः चेतनसुणिसंतोमीरीवीनती तोनेंसीषक
हूहितकारी सु० आंकनी: ऊंन्हालगळानीर
सु नकरैश्रंगस्नेल केसरचंदनऊमकामे
पातेंनकरैषोलों: २सु० घणमोलानेंऊजला
नकरैवस्त्रवणाव घातेकामभलावली चवथा
व्रतनेंधारो ३सु० कांकणऊंमलमूंदमी मा
लामोतीहार पहिरेंनहीसोनातणी जेथायें
व्रतधारि ४सु० कामदीपनजिनवरकह्या न्हप
णहूषणएह अंगविहूषाटालवी कहेंजिन
वरषसनेह ५सु० ढाल ११ आपमवारेणज

॥८॥जेहदीपेश्वदनिमदीपे दोयसू
रजदोयचंदाजी तासवीमानेश्रीक
षभादिक शास्वतानामजिणंदाजी
तेहतणीजगतथाप्तिनिरखी भुलमेल
वीजनरेंदाजी बीजसणआरोपोथ
र्मतुंबीजे रुनीशांतिजिणंदाजी १
दुखभाववजानेदेरुजो चोवीसेजि
नचंदाजी वंधणदोयकरीनेदूरे पाम्या
परमानंदाजी उपधानदोयमतमतं
गज ज्ञेदनमत मयंदाजी बीजतणेदि
नतेआराधे जिमजगमांचिरनंदाजी२

उविधधरमजिनराजप्रकासे सममत
सरणमेंजोणजी निश्चयव्यवहारविजे
सु आगमनधुरीवाणजी नरकतिरि
जगतिदेवनरदेइ वीजजिकेआराधे
जी उविधदव्यवभावरकेरी कर
तांतीवधुभ्रसाधेजी रु वीजवंदपरस्व
पणर्मित दीयेनिलवटचंदाजी गु
रुदयकनारीकषकारी निरवाणीसु
खकंदाजी वीजतणोतदकरताचाहि
ते समकितसानिधकारीजी श्रीरविम
लकहिसासकदेनव संघनोविघनाने ७४

तारीजी ४ इतिवीजवर्ई द्विवेणांचा
मारीप्रईत्नीवीयेते ॥ विववरणकला
रोकरीजिननो जन्ममहोतववरंगेजी रो
वनकलरोस्करनीपजावे मेरुमहीधर
शृंगेजी समरुहविजयआंतकमलदि
वाकर मातशिवादेवीनंदाजी पांचम १
नोतपकरतोलहीये नविमनपरमान
दाजी १ पंचवरणजिनवरचोवीसाः पं
चमगतिनाईशाजी पंचप्रमादमदनम
हेशा जसमनरागनेरीसाजी पंचजोग
तमभेदहिनेशा सेवेस्करनरईशाजी पं

चमीनोतपकरतां लहीये दिनदिन
श्रीकुंजाबीआजी ४ पंचमहाव्रतथमीय
कासे समवसरणजिननोपेजी : पंच
प्रकारे आगमनावे : सस्तस्कअरस
वाणीजी पांचमीनाफलदेवाकारण : पंच
मीनोतपकीजेजी पासत्रिमासेपांचमी
(लो) कजम : मांनवनवफलजीजेजी ३ पां
चवरणनावरणावर्हिरी जिनचंदपंके
जनमरीजी नेमजिणंदतणागुणगावे
श्रीअंबाईन्ममरीजी पंचमीतपनीसा
नीधकारी श्रुतदेवीसुखकारीजी धीरवी
मलकविनोसनकहेनयन : श्रीसंघविघ्ननी ७५
वारजी ५ इतिपंचमीस्तवनसंपूर्णम्॥

॥मंगलआवकरैजस्कआगळ नावधरीसु
रराजजी आवजातिनाकजनानरावी नव
रावि जिनराजजी वीरजीनिद्वारजन्ममहोत्स
व करतांशिवस्करवसधिजी आवमनोतपक
रतांअदघर मंगलकमलावाधेजी १ आवम
करमवयरीगजगंजन: अष्टापदपरिवली
याजी: आतमआवस्वरूपविचारी मदआवि
जसगलीयाजी आवमगतिपोताजेजिनवर
फरसआवनदीश्रंगेजी आवमिनोतपकर
तांकेवीथिअमघरनितनितुवाधेरंगेजी २ आ
तीतारजआववीराजे: समवसरणजिनराजे
जी आवप्रकारेआगमभाषित: नविजसमय
नाजेजी: आवमाता२वचननीमाता पालोनि
रतिचारोजी आवमीनेदीनेआवप्रकारे जीव
दयाचितधारोजी ३

नेवलवफलजीजेजी सिद्धाइदेवीजीनंदद
लेवी आठमासलिहदीजेजी आवनलोत
पकरतालहीये तिरमलके वलीनालोजी
धीरहिमुजकविसीसकदेनद तपछोकी
टकल्याणोजी : ४ इति आठमनीस्तुई लरवी
॥ श्रीनेमिजिनवरसवलजकपवर : जादव
कलसिणगार जेकेतरातुलनारिकेरी : ज
नमथीव्रतधार जेविस्तरं जनवानिर्देफल
संपलवनलार एकादसीदिनएतलीये :
जिनमिवाटेवीमस्तार १ इगारस्तिमादेस्तावि
रतिं वहौनिरमत्रध्यान चोविसजिनवरनां
किकरता लहोअमरविमांण एकादसीदिन
सर्वज्ञम सकलसास्त्रमंमाण २ इगारसा
संपरतिवंली एजगीसमानो : तिमजिनवि
त्सवहिमतहस्तवायानपोसनीरहाल इनकप

वारेवरसेरा लीजे तपतणो परीमाण ॥

चौसेर

मीनेसफलकीजि: मनकजनीअवतार एकाद।
शीदिनसगुरुसुबधी म. ए अंगइग्यार त्रि
सुगटमंडित ऊंकजसोभित: विमलमोति
हार घणजुगलअवलीकसिणकुसीर्व कं
चुकजिमजलधार अंबिकादेवीदवसेवि
गोमेधसकरनीनारि कवीश्वीरविमलसनी
सकहैनयसघनेसफबकार ४ इतिएकाद।
सीथुई॥ चउदसकपनसचित दरि हजि
न: सिद्धारथकजचंदाजी चोदरयणपू
तिनरपतिवंदित त्रिसलाराणीनंदाजी
सरीलंचनवांने सोदवीरजिणंदाजी प
बीपर्वकरसंदिनचउदस
दाजी १ चउदशोदिनजिनचंदातजा।दौ
वधुरीनविपालिजी
दीने: पांप्पात्रिवसफपोणीजी: चउदरान्य

ऊपरि जेथो कहा चउदसी दिन आराधै
जी चउदस्या न पकरता न विज्ञाने: चउ
दस विशा समाधे जी २ चोदस्या दंड मिलीने
जिसे यह हिता सुपरि मांगलजी: चउदस
दस सुति परिकर सकल केरे श्री जिन ना
लाजी चउदह रत्न रचनथे परदेश निक
लो परपद वारणी जीव दया चउदस दिन
पाले प्राणी दस प्रकाजी ३ चउदस
भुवन मिल करता वरना जिवरमणी माग
नाय करती घर धीजी चउदस गीत पवुसा
प्रतिकर जी विनोद वरणन तुवरणीजी
नय विमल कहै जिन अहमारली सक
ल संघ द्धि रदर्शाते जी ४ इति चउदस
स्तवन संपूर्णम् लिखितं सकल संघ ७७
पंडित शिष्य लिखतं १२ विकानेर नगरे:

।। मास्जीतीरनयणारेवविशुलरदी एदेसी:
प्रभुजीवीरजिणंदनेवंदिये चोवीसमोजिन
रायहो त्रिसलानाजाया प्रभुजीनितनामथी
नवनिधिप्रसंपजे नवडुषसवीमिटजायहो
त्रि० १ प्र० प्रभुजीनोकंचनवरकरसातनो
जगतातनीउएलनुमानहो त्रि० प्रभुजीनो
म्हाप्रतिलंबनराजतो नाजतोमदगजमान
हो त्रि० २ प्र० प्रभुजीसिद्धारथनगवंत नो
सहारधकुलचंद हो त्रि० प्र० नक्तिवछल
जिनडुषदरु सारतरुजिमसणकंदहो त्रि
स० ३ प्र० गंभारविदरेगुणनीलो जगतिलो
जिदांजगदीसहो त्रि० प्र० नोदरिणदेवीरे
दिलवसकु सम्यकफचवितईसहो त्रि० ४
प्र० प्रभुजि शिवनगरीमाराजी २४
जनदेवहो त्रि० प्र०

दीजेये नवो नवतुमपायसेवदो ॥ छि० ५ अत्तु०
इति श्री महावीर जिनस्तवन संपूर्णम् ॥
सहीयां ने सनमीनो माहरे मनतस्यो चितवस्यो जि
नवरायदो स० हियर मोरी स्या० हिवाजो नमजि
विनछितभरी हीयडे हरख अपारदो० स्या० १
स्या० नवनवडीतलडीये भरी थरओरा जनतनार
दो स० २ स्या० पम्रतनुकारकाने सकली मोपर
भूसोरोसमदो० स० ३ स्या० स्यावनचरा लगे त्या
दरी नवे भिरु मटोलो वेढले स० ४ स्या० तोर
णमीरघरके रीये छिमरहेताद्दनागादो स०
५ स्या० रेवंतगिरजाई मानसं० स्या० आतम
काजदो स० ६ स्या० सजुगजई सतमनमाहरो
सुरतीडीतसंजानदो स० ७ स्या० [illegible] ७८
नवेवीनती सुण जोईदीनदस्यानदो स० ८ स्या०
इति नेमराजुलस्तवनं संपूर्णम् ॥ [illegible] ॥

यांरा घोमजा पहेरावों भेकरनाजी एकुरीतनतो।
मेरेगोरीरि भ्रायलो एटेरी खेलोजग चिंतामणिप
सजिणंद०जीहो श्रासपुरीरे पहुच्युमतणीयां
सबीतवनसऊचवित जि० नितप्रतिसाधकेउधणी
खेतो प्राणतथीसुपवास जि० वीससागरथिति
क्षयकरी चैत्रमासवदिचोथ जि० वामारूषेश्रवत
री २ पोसवदसमच दिजात जि० एकादसीदिक्षा
वरीचैत्रमैकसमचचौथ जि० केवलज्ञानलहीक
री ३ थेतोसुदिदलश्रावणमास जि० श्रावमवरी
शिवसुन्दरीपेलो नवकरतनुवरिनील जि० श्र
हिलबनवरणेधरी ४ मेतो फिरजोयासजदेव
जि० कालसरपोजादिकेदखी जंतोउफकंउंसी
सनमायजि० तारलारकपदतेदूणी ५
लेतश्रुणजाणजि०
यानकउपतजाणजि०

दानं दे तिन मुक्ती जि० ई स्थापि विजयपद लिनजि०
लिउ अनंत पद स्थितिं ७ इति चित्तामणि पार्श्व
जिनपदम्: ॥ ॥ विमलजिन दिठा लोयण आज
मारा सिद्या ते तिन काज वि० १ श्री सेवी चरण कम
ल कमला वसे रे निरमल थिरपद देख समल अथि
र पद परिहरे रे पंकज पामर पेख वि० २ मुझ म
न उजव्य पद पंकजे रे लीणो गुणमकरंद रंक गिणे
मंदिर धरा रे इंद्र चंद्र नागिंद वि० ३ साहिब सम
रथ तु धणी रे पाम्यो परमउदार मन विसरामी वा
लहो रे आतम चो आधार वि० ४ दरसण दीठे जि
नतणो रे संसेय नरहे वेध दिनकर कर भर प
सरतां रे अंधकार प्रतिषेध वि० ५ अमिय भरी मू
रति रची रे उपमा नघटे कोय शांत सुधारस
झीलती रे निरखत तृपति न होय वि० ६ एक अ ७९
रज सेवक तणी रे अवधारो जिनदेव कृपा करी मु
झदीजिये रे आनंदघन पद सेव वि० ७ इति विमलजिन पद: ॥

॥ढाल१ली॥कोइलोपरबतधुंधलोरेलो॥एदे॥
आचारंगपहिलुंकह्यंरेलो अंगइग्यारमझाररे
चउदनर अठारहजारपदनिलोरेलो दाख्योमन
आचाररे च० १ नावश्रीनेआंनलोरेलो जिमन
जैनवनीतिरे च० सूजानकिंजनावनारेलो या
ववीयेसविरितेरे च० २ ना० ठाणांगवंशदीयस
हामणरेलो अजयणापणवीअरे च० आस्वता
तीरथ इहांकहेरेलो सुंगतिश्रीजगदीसरे च०
ना० मिवहेवुद्धिगुरुकहेरेलो मिवनोअंगजए
हरे च० मीठदीरीतियांनलोरेलो भगवतेहे मीवका
तेहरे च० ४ ना० भरतअसुरमलीसुरगविरेलो
भरयटहरेकांपरे च० सोनलंवुंसिद्धांतवुरेलो तेत

ते अधिक अजिरो मरे च० ५ गा० श्रीनयविजय
विबुधतणोरे लो वाचकजस कहे सीसरे च०
उमनें पहिला अंगतुंरे लो शरण हो ज्यो निसदी
सरे च० ६ गा० इतिश्री आचारंग सिझाय २७
८२ अक्षर होवे अति कजउरे दे॥ अगगगहि
वे सांभलोरे विकुं मनमेरंग आतमभावे मनक
चिरे तेहजगोगोअंग १ चउरनरः धारो समकित
नाव एहेनवुसायरमोनाव च० १ आं० सत्र खंध
दोय सोहामणोरे अंत्रीयणा तेवीस तिसयमिस
ठक मति तिन तणोरे मतिरवं भगणसलगीस च० २ सु०
कहिवें दवीय अणुसंगमांरे एहवु इत अधि
कार साक्षंज वेरीनो नजीजी जवेरतणो चमा

२ च० ३ श्रा० अर्चकिर्वकिनाइहांजी श्रोताताअं
तनहोइ गुरुजनतास्करवपामस्येंजी अवरमेंपति २४
सोई च० ४ श्रा० अटगघजाजनावनाजी उत्सव
लेखनदांन गुरुउपगारसंभारवोजी आदरज
क्तिनेदांन च० ५ श्रा० वक्ताएहवोकोनहीजी जि
मनाषितमर्थ वाचकजसकहेहर्षसुंजी इमते
विनयनीमर्म च० ६ श्रा० इतिद्वीतीयांगसिझाय
॥ नवादलनीदेशी ॥ त्रीजुंअंगहिवेंसांभलो जिणे
एकादिकठांण मोहन उद्देसावेंअतिघणा अर्थ
अनंतप्रमांण १ मो० वारिक्रजिनवचननी जे
हनागुणनोनहीपार मो० जेहरूपअनेकजलध
टी तेहनोपणिकेंउद्धार २ मो० वा० गीतारथमुख

सांभले जहीयैंतुयस्ताव्रतल्लाय मो० तरणि
करणकरस्पेंकरी कांइसरवरकमलविकास
मो० ३ वा० जेहएहनी दिसेंशुजदेसना तेमही
ज्योसदगुरुतुर मो० तसआंगणविलेपनकी
जीइं चंदनमृगमदसूककपूर मो० ४ वा० जि
नभरकमलवनसुणलहि कोकिलपांमिय
हकार मो० तिमश्रोताजनेवकामीलीपांमेंरु
तअर्थनोपार मो० ५ वा० बाहगलीयांकर
गली वलिअमृतगलकेंकहेंवाय मो० माहरे
ऋ तोमनअंकेतआगले तेकांइंनआवेदाय मो०
६ वा० अतनागुणरसलावीइं वलीजाविये
मनवेराग मो० टा... तेमजगावीयेंअपक्षावीये

ऋजुसयोत्राग मो० ७ वा० इति गांगस्याध्य
या॥११॥नीदलनीवेरणहोयरहोएदेत्री॥चोत्रु
मवायंगतेयांजलो सुंकीआमलोरिमननोधरम
वकें ए८नाअर्थअनोपमआतिघणा जगिजणे
रिए८नोसुभजावकें ।उत्तमधरमेंथिररहो॥आ
णी॥संख्यातएगुणतरा वलिगुणत्सारेविवि
धीणजांणकें भिखवालोगणिपिवकनो ए८नोहि
रजोउजगतिजपांणकें २७० एकलापवदे
मोकह्या वलिउपरेंरेचुआलहजारकें [illegible]
घातेंदेषवे करेंनदपुन्दरेंतेहनोपरि[illegible]
८७० जिणवयणिनविराध्रंउ तअनाद[illegible]
सुधिहोयकें[illegible] ५० [illegible]
लपलारेंगीतारथजीयकें ५ ७१ .

दऊतणी जेहवंषेरे श्रुतअर्थतिवोलके की
जेकोहिवक्षमण नीतेनामणोरेनितनितरंगरो
लके ५ ३० सद्गुरुकवजेसांजले श्रुतनेरे
रेउजमणाचारकें श्रीनयविजयविबुधतणो
कहेसेवकहोतसलेहजवपरिक ६ ३० इति
श्रुतांगसाध्याय॥४॥अहोमतवालेसाजना॥
अगपांचमंसांजला उमेजगवईनामेवंगेरे ए
जाकरोनेअजावना आंणीमनमांहिरंगेरे
१ सजणचनेहेमाजना उमेमांनोनेबोलहमा
रोरे हितकारीजेहितकहे तेतोजांणीनेमनथ्या
रोरे २ स० उमवारीसंइसर्छ करेएकासणो
तिवीहारोरे पडिकमणादेश्रवारना करेअवि
ततणोपरिहारोरे ३ ३० देववांदेत्रिणटंकना

वलिकविनवचननविबोलेरे १।५
तिनजे धर्मिस्युहियरुलुंपीलेरं ४ सु०
त्रआराधवा काउसगपिललोगसविसेरे
जगवईनामनि नोकरवालिविसेरे ५ सु०
दिनएहमंहानियें गुरुनक्तिदिवसविसेरे
जेवलिश्वेरेथई उत्सवजीमवुकुजनदेबेरे
६ नक्तिसाक्रमामीतली वलिराति
केरि लक्ष्मीलाहोअतीघणी व
अनेकोरि ७ सु० त्रिणनामबेएहना
तहापाचपोअंगोरे विवाह१ल्लतिवीचुकयु।
त्रजुंजगवई सुत्रसुरंगोरे ८ सु०
एहनोवलि वलिव्यालीसतकसुहायेरे

तिहांअतिघणा गुणजंगअनंतकाह्यारे ९ सु० गोतमगुरुनेंअनुकहे तेतोनांमप्रसाधतुव लेवेरे सहुअवतीरतेनामनी उत्ताकिजेविवि धजोईरे १० सु० मुरूपगिरव्यवहारिया जया नन्दोनीयेयांमीरे जीलसीनईछुलिया श्री गुरुगोतमनांमीरे ११ सु० गुलकसीनेअदो रे तेतोदिसिप्रणाजंफाररे कल्याणेकल्याण नो होईअनुबंधअतिविस्तारीरे १२ सु० वफ लमनोरथजअवे तेउणवंतमेंजुरेरे जमा हेत्रतगोरहे तेउणणकीअकरेरे १३ सु० मानवजवपामीकरी लीजिनस्रीलाहीरे नाव जुवणमांसरीये जयहणाउच्चाहोरे १४ सु० व

लक्षीआराधना भगवईसुणतां
त्रिजेनववाचकजसकहे इमभाखुंतेसर्द
११ इतिपांचमोंगा॥५॥प्यारी१करतिएदे
धर्मकथांगछठुंअंग सांभलियेमनधरीरंग
वंधइहादेण्यारा सुणीयफलकरेअवगर
न १ प्यारीजीनवरबोली
हिलाल प्यारीपहिलोमांकथाउगणीस ५८
ग) बीजेसुजगीस उदीकोडीकथा तिहांसारी
वाअंगनीजाउवलीहारीहेलाल २ प्या०
वआनंदधारी विजाश्रोनेजनमारी रोमां
हिंअंचिनधारी समकितपर्यायव:
ल ३ प्या० सातायक्यकरेअंतसुणतां

रामेमनगमतो जेविघनकरैजाइंआणि तेसोग
नाहनहीविलपाकीरै ४ पा० वाचकजनकहे
सुणोलोगा अतटालेविघननेसोगा कहेंआ
तनक्षिनकानकोई गुरुचरणकमलनिजन
जिइहोजात ५ पा० इतिषष्ठराग॥६॥चोपई
तत॥आतमोअगउपायगदस्या तेआनंत
नामनउलख्या टोलीमनिमनोहरजाव पांमी
धर्मकथाप्रस्ताव १ श्रावकधर्मप्रजाविजया
आणंदादिकजेहटुकथया तेहमोक्षमांस्य
चरित्र सांभलीकरियेजन्मपवित्र २ श्रावक
जिमजपअर्गथाइ तेहमुनीनेहीरकहेरेय
हनेतमवेदम्पचितवस्यु अतपावीजेमकस्ये

किस्यु ॥ किमरिके चितक्रतस्करणी तिमरश्री
ताहिइंबकंगुणी रीमांचितहोइंकायायछ जा
येनानीसवलाअवछ ४ जिनवांणीतेहनेमनरू
ची तेसत्यवादीतेहजसुचि धर्मगोवितेहसुंकी
जीयें वाचकजसकहेगुणरीकीयें ५ इतिसत्यसं
मोग॥७॥देशीसाहिलडीनी ॥ आवभुअंतगडदस
माहिलडीया सांजलजोधरीविविक गुणवेल
डीयां बोल्याबोलतेपालीयें आं० नवित
णटेक गु० १ एकसुअरवहदएहनो आं०
करवेग गु० चरित्रखुणो बजर्वारनो आं० रीमो।
वतकयेअंग २ गु० ४२भतिनोवनघटसमो
जागेविणनविजाय गु० शटघरांमणजीय

वस्तुनोस्तुलकहाय गु० ७ नितम्राचिइंमाविइं
सा० सा:चिपिएकजकाकिं गु० ३ ल्पनिकक्तिन
काविवेसु० धर्मरंगएहलूकि गु० ४ श्रीनयवि
जयविवुधतणो सा० वाचकजसकहेसीख गु०
मुकनेजिनवाणीतणो सा० नेहहोयोनिसदि
न गु० ५ इतिश्रीसोमागस्वाध्याय॥८॥दोहोरची
यानी॥नवमुंअंगवलीहिवेसांभलो अनुतरो
ववाईनाम जोनाणी श्रुतकासकलप्रमादते
परिहरो जिमहोयेसमपरिणाम १ ढयरागी
न० त्रुकेरीकेश्रोताजेस्तुणे तोजोकेयविकोम
यो० वाधेरंगतेश्रोताकस्मानतणो विहंअतिवह
श्राम व० २ न० जाणजापणे दरवणदलदोव

हिरा आगिरिग्गान चो० धर्मरहस्यकहाजंमआ
गलें त्रिणएहसमान व० ३ न० जेजेहचोकेइते
समफोतिस्तु निसहकरचेरेसाव चो० धरमगी
चधरमीगुणाकस्ये बीजुमोरनमेनाव व० ४ न०
धरमकरिजेडनुंतरसकरकअ्ना तेहनाइहांअव
दात चो० वाचकजसकहिजेएहसांनले धनजस
मातनेंताल व० ५ न० इतिनवमांग ध्यादिरीमो
लीडानी।। प्रश्नव्याकरणअंगतेंदसमु सांनल
लोकोइनकइंवसमु जावीयाअवचननारागी
आवीयासंकविहितनाभंगी १।।ढाः।।आश्रव
पंचनेंसवरपंच दशअध्ययनेंइहांसकुपंच १
सो० एहिजहितजोणिनेंभासा अतिशयजुता

तेतालपा जेहअणुवुध्यं लेबनयेवी तेहनेआनफ
जनदेवी २ जा० नागकुमारसुवर्णकुमार वरदियेन
विन्येअणगार एहवाइहलंअकरसंयोग नंदिसखनो
दिक्षप्रयोग ३ जा० सर्वसूत्रमहामंत्रनीमाला पा -वां=
ठ सिद्धश्रुतिसयअपरांली ४ जा० गुरुजनकानेत्रव
चनरागी सुविहितसंगनदाओनागी वाचकजस
कहेपातकाहहस्यें श्रुतयांनलेतांसुषलहस्यें ५
जा० इति व्यमागा॥२०॥अंगइग्यारमोसानलो
हिवेंकर विपाकश्रुतनोभेदें अशुभविपाकभेदयें
वलिदसा विपाकसुनखंध १ अं० गांजुनकर्मतो
वांसीये वलिअशुभअझादरीयेंशुनकर्मेरें सर्पा
फलितउरेजातिसां एजांनलोकेंरामरें २ अं०
×लवविशअगावीसगुणनीसा पणिएजगमाअधिकजवाणी×उ९नी×बो×

धर्मनजांणिमुलगुं कंवशीषकरावेफो करे तेहनेंहि
तकिणपरेंहोवें फललहियेंतेरोकेरोकरे ३ अं०
मनकोईजांणेरेभलवुं अपिअवचननावैरागीरे
साधननीउनतकरे एश्रोतानेंकंडंथोवागीरे ४
अं० चेइअकुलगणसंघनुं आचारयप्रवचन
श्रुतनुं वेयावचतेणिनितकरुं जेहनोमवेतप
संयमनुरे ५ अं० पिणअवहारेसीजीये मनुह
रेतेनक्रिसाचोरे ऊवणपणिंजेवंचीये तेहनोन
वतेजांणिकालोरे ६ अं० जेउपरअरआगम
कलिरहिया कहिनदिआलसीयारे आकव
चनसुणीवाउलसीया तेश्रोताचोकसीयारे
अं० ७ एहवानेंउमेंअंगसुणावो धरीयेंधर्मच

नेहरे भ्रमगीविरहव्यासुंनाके एकजीवदेयवे
होरे ८ अं० धन्नतेहवेरअंगथांगे जेहवुंलागुम
नेरे वाचकजसकहेतसगुणगावा कीजेको
जतनरे ९ अं० इतिश्रीकादरागस्वाध्याय॥
१०॥ टोडरमलजीतफेरेएदेसी॥ अंगइग्यारेसा
नन्यारे पोहताम्हननेकोडि टोडरमलजीसुं
रे गईआंपदआवीसपदरे आवीहोडाहो
डि टो० १ दलियउफूनदेषतारे वीघननी
कोडाकोडि टो० सरवैगमांहिमनपतारे चा
लेमोहामोडी टो० २ जिमजिनवरसीदनमां
रे नवकोउनाउडि टो० तिमसदगुरुउपदेस
मांरे वनविचारजकीहोडि टो० ३ करमवि

पोलिदीइवैंचोग्दि टो० तवतवध
वणामस्तुरे ऊइरहोदीमादीमी टो० ४ मात
रूपचंदलाईउदार टो०
विधिस्तुत्र्यंगइ
टो० ५ गुगरगुनिविरूवलेरे श्रीजयनि
फाय टो० रूरतेचोमास्तुरहरि कीसे
टो० ६ इतिइग्यारअंगनीस्वाध्या
लिपाजवाईआगरेण॥श्रीपालणपु
रणपरवीनवेदेशी॥मि
ते अरत्राणीत्रतित्राणादरै
शुद्धज्ञानीथीयहोदसदा होवेनहीं होलीदद
नेविजावीरिपचर्च अन्नात ना॥

न० ३ शुद्धरूपस्वयवस्यगंधनी इत्यीनकरैको
ईश्वंगरे पंचभावनापंचमाव्रतनी
नोनंगरे ८ न० भावनापचवीसनावतां :
नपरमकल्याणरे कहेलस्मीकीरतजोडिनें
ऊजेमकनिस्कलांणरे ७ न० इति ; ५
नास्वाध्याय॥ सं०१८०८ मितीकातिवदि ८॥५